श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

shramsadhnagwl@gmai.com

www.shramsadhnanews.com

हम बनेंगे आपकी आवाज स्कैन करें और चैनल से जुड़े

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 58 ग्वालियर, सोमवार 28 सितंबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

महिला आयोग की बैंच 29 व 30 सितंबर को ग्वालियर में

ग्वालियर जीएनएस

राज्य महिला आयोग की दो सदस्यीय बैंच 29 और 30 सितंबर को ग्वालियर में महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई करेगी। आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव और सदस्य साधना स्थापक की मौजूदगी में मुरार सर्किट हाउस में दो दिवसीय बैंच आयोजित की जाएगी।

आयोग में दर्ज महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई के साथ ही महिलाएं बैंच के समक्ष अपनी शिकायत अथवा आवेदन भी प्रस्तुत कर सकेंगी। आयोग की ओर से महिलाओं को अपनी समस्याओं और शिकायतों के निराकरण के लिए इस अवसर का लाभ लेने का मौका दिया गया है।

एशियन गेम्स में रजत पदक जीतने पर दी बधाई; स्वामीनाथन, लता मंगेशकर और भगत सिंह को किया याद

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ईशा सिंह को दी शुभकामनाएं, महापुरुषों को किया नमन

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स-2026 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाली सुश्री ईशा सिंह को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ईशा सिंह के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि देश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल के क्षेत्र में भारतीय बेटियों की उपलब्धियां नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अनूपपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत रत्न एवं हरित क्रांति के जनक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन ने देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादकता में सुधार और खाद्य सुरक्षा को सशक्त बनाने के लिए उनके प्रयास सदैव अनुकरणीय रहेंगे। कृषि क्षेत्र में उनके योगदान को देश लंबे समय तक स्मरण करता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने भारत रत्न एवं स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी अद्वितीय स्वर-साधना से भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। उनके स्वर में भक्ति की अनुभूति, देशभक्ति का उत्साह, प्रेम की कोमलता और जीवन के विविध भावों की गहराई सहज रूप से अनुभव होती है। उनका संगीत और योगदान सदैव संगीत प्रेमियों के बीच याद किया जाता रहेगा।

डॉ. यादव ने अमर शहीद भगत सिंह की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि भगत सिंह का साहस, राष्ट्रभक्ति और विचार युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। देश की स्वतंत्रता के लिए उनका समर्पण और योगदान अविस्मरणीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण से देश कभी उऋण नहीं हो सकेगा।

सौर संयंत्र, सीलिंग, नियोन बोर्ड, एस्केलेटर और लिफ्ट के संधारण के निर्देश

माधव प्लाजा का निरीक्षण, खाली दुकानों के जल्द आवंटन की तैयारी

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने शनिवार को प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिशा श्रीवास्तव के साथ माधव प्लाजा परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में खाली पड़ी दुकानों सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने खाली दुकानों का शीघ्र आवंटन करने के निर्देश दिए। इन दुकानों को विक्रय अथवा किराये पर देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी, जिससे परिसर में व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। निरीक्षण के दौरान माधव प्लाजा में लगे सौर संयंत्र के संधारण, पूरे परिसर की सीलिंग व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा नियोन बोर्ड के संधारण पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही एस्केलेटर और लिफ्ट का आवश्यक संधारण कराने के निर्देश दिए गए।

परिसर में लोगों की सुविधा और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फूड कोर्ट विकसित करने की योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने प्लाजा की अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक जानकारी ली।

क्षमावाणी मिलन समारोह में समाजजनों ने दिया प्रेम, मैत्री और सद्भाव का संदेश

गले मिलकर मांगी क्षमा, मिटाए गिले-शिकवे

ग्वालियर जीएनएस

मुरार जैन समाज की ओर से श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर मुरार की प्रबंधकारिणी कमेटी के तत्वावधान में जैन धर्मशाला, चिक संतर मुरार में क्षमावाणी मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाजजनों ने एक-दूसरे से हाथ जोड़कर क्षमा मांगी और गले मिलकर आपसी प्रेम, मैत्री, सद्भाव एवं भाईचारे का संदेश दिया। छोटों ने बड़ों के चरण स्पर्श कर क्षमा याचना की और गिले-शिकवे भुलाकर संबंधों में मिठास बढ़ाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेशचंद्र जैन, सेवानिवृत्त उप पुलिस निरीक्षक, नारकोटिक्स ब्यूरो, इंदौर तथा विशिष्ट अतिथि प्रदीप जैन, पलक ज्वैलर्स, भोपाल एवं पत्रकार रविंद्र जैन रहे। श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर मुरार की प्रबंधकारिणी के अध्यक्ष दिनेश जैन, मंत्री देवेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष आशु जैन सहित कार्यकारिणी एवं परामर्शदाता समिति के सदस्यों तथा विभिन्न जैन संगठनों के अध्यक्ष एवं मंत्रियों ने अतिथियों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान आदिनाथ के चित्र के अनावरण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद बालिका ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। अतिथियों ने क्षमावाणी पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि क्षमा आत्मशुद्धि के साथ प्रेम और सामाजिक एकता का आधार है। इस अवसर पर प्रबंधकारिणी कमेटी की ओर से अतिथियों को अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

विश्व हृदय दिवस पर लायंस क्लब और बीआईएमआर अस्पताल ने लगाया शिविर, सीपीआर का दिया प्रशिक्षण

हार्ट एंड हेल्थ कैंप में 60 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच

ग्वालियर जीएनएस

विश्व हृदय दिवस के अवसर पर लायंस क्लब ऑफ ग्वालियर एवं बीआईएमआर अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बीआईएमआर अस्पताल में हार्ट एंड हेल्थ कैंप आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य लोगों को हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ समय पर स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श के लिए प्रेरित करना रहा। शिविर में 60 से अधिक लोगों ने विभिन्न जांचों और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया।

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने हृदय एवं सामान्य स्वास्थ्य की जांच के साथ प्रतिभागियों को हृदय स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। आपातकालीन परिस्थितियों में उपयोगी सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। शिविर में हीमोग्लोबिन, एचबीए1सी, थायरॉयड, ब्लड यूरिया, रैंडम ब्लड शुगर, लिपिड प्रोफाइल, ईसीजी, 2डी इको, सीआरपी और चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध रही। इसके अलावा फैब्रोस्कैन के माध्यम से लिवर जांच भी की गई।

अध्यक्ष एमजेएफ लायन

नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। मानसेवी सचिव लायन पुनीत अग्रवाल ने कहा कि समय पर स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय सलाह से हृदय सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान और रोकथाम में मदद मिल सकती है।

बीआईएमआर अस्पताल की ओर से कार्यकारी ट्रस्टी लायन गोविंद देवड़ा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वैभव राज, उप निदेशक वेद प्रकाश पांडे, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर अग्रवाल, वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष चौहान एवं सहायक निदेशक डॉ. कुणाल कुमार सिंह सहित चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक टीम ने सहयोग किया।

शिविर में अध्यक्ष सतेन्द्र गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, राकेश अग्रवाल, कैलाश मित्तल, श्रेयांश जैन, जगदीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राहुल गोयल सहित लायंस क्लब के अनेक पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। प्रतिभागियों ने शिविर की व्यवस्थाओं और चिकित्सकों द्वारा दी गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की सराहना की।

मानसेवी सचिव पुनीत अग्रवाल ने बीआईएमआर अस्पताल के कार्यकारी ट्रस्टी लायन गोविंद देवड़ा, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वैभव राज सहित समस्त चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक टीम के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

नर्सिंग परीक्षा परिणाम के लिए विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल का जताया आभार

भोपाल, जीएनएस। नर्सिंग विद्यार्थियों के लंबे समय से लंबित परीक्षा परिणाम घोषित होने से प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है। परिणाम जारी होने के बाद विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई, प्रवेश और करियर से जुड़ी बाधाएं दूर हुई हैं। विद्यार्थियों एवं प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने रीवा में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नर्सिंग विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित होने पर सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए न्यायालय के समक्ष छात्र हित का पक्ष मजबूती से रखा और न्यायालय के आदेश के परिपालन में परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। सरकार विद्यार्थियों के हितों एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी हर आवश्यक कदम उठाती रहेगी।

नर्सिंग विद्यार्थियों ने कहा कि परीक्षा परिणाम लंबित होने के कारण उन्हें आगे की पढ़ाई, उच्च कक्षाओं में प्रवेश तथा करियर संबंधी योजनाओं को लेकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। परीक्षा परिणाम घोषित होने से विद्यार्थियों को राहत मिली है और उनकी आगे की शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन के सदस्यों श्री विनय शुक्ला, डॉ. सुमन सिंह परिहार, डॉ. जी.एल. पटेल सहित अन्य संचालकों के नेतृत्व में नर्सिंग विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से भेंट की। विद्यार्थियों एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर परीक्षा परिणाम घोषित होने पर धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

प्रोजेक्ट प्रदर्शन के प्रतिभागी अपने रजिस्ट्रेशन फॉर्म और सारांश करें ऑनलाइन: अश्वनी जैन

फिरोजाबाद, जीएनएस। भारत सरकार के उपक्रम राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद श्रीमती मुदिता पाण्डेय के निर्देशन में 32 वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 के प्रोजेक्ट प्रदर्शन हेतु रिकॉर्ड ऑनलाइन नामांकन जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में कराए गए।

अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का प्रोजेक्ट प्रदर्शन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक कार्यक्रम है। प्रोजेक्ट कार्य विद्यार्थियों की जिज्ञासा में वृद्धि करते हैं। जिससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न होता है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन का मुख्य विषय सिथरता के लिए विज्ञान और नवाचार है। उन्होंने बताया कि जनपद फिरोजाबाद ने इस वर्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ऑनलाइन नामांकन में रिकॉर्ड 860 नामांकन करके द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने जनपद के राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2026 में रजिस्ट्रेशन करने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे सभी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म को हस्ताक्षरित करके विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट के सारांश अतिशीघ्र अपलोड कराना सुनिश्चित करें, जिससे ऑनलाइन फॉर्म को राज्य स्तरीय समिति के पास अग्रसारित किया जा सके।

निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने की स्वच्छता की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने जोन कार्यालय क्रमांक 21 में स्वास्थ्य विभाग की बैठक लेकर शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में आयोजित होने वाले भंडारों में स्वच्छता प्रबंधन की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

श्री तोमर ने विशेष रूप से 1000 बिस्तर अस्पताल के बाहर प्रतिदिन आयोजित होने वाले भंडारों को लेकर निर्देश दिए कि सभी भंडारा संचालकों को डस्टबिन रखने के लिए निर्देशित किया जाए, ताकि भोजन के बाद उपयोग की जाने वाली कागज की प्लेटें एवं अन्य कचरा सड़कों पर न फेंका जाए और आसपास का क्षेत्र स्वच्छ बना रहे। बैठक में वार्ड क्रमांक 55 की स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी एवं सहायक स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन पहुंचने के बावजूद यदि कहीं खुले में कचरा डाला जाता है अथवा कचरे के ठिए बनते हैं, तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाई की जाए। निगम अध्यक्ष ने संकरी गलियों में कचरा संग्रहण व्यवस्था को और सुगम बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि जिन गलियों में हाथ ठेले अथवा सामान्य कचरा वाहन नहीं पहुंच पाते हैं, वहां कचरा संग्रहण वाहन का निर्धारित समय तय किया जाए। वाहन को गली के बाहर 3 से 4 मिनट तक खड़ा रखा जाए, ताकि रहवासी अपने घरों का कचरा निर्धारित वाहन में आसानी से डाल सकें और खुले में कचरा फेंकने की प्रवृत्ति पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उन्होंने अधिकारियों को रहवासियों एवं दुकानदारों को गीले एवं सूखे कचरे के लिए अलग-अलग दो डस्टबिन रखने के लिए जागरूक करने तथा घर-घर कचरा पृथक्करण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही नालियों की नियमित सफाई कराने और सफाई के दौरान निकलने वाली सिल्ट को उसी दिन हटवाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उपायुक्त श्री मुकेश बंसल, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचंद्र धौलपुरिया सहित क्षेत्र के जोनल स्वास्थ्य अधिकारी (ँाह) एवं वार्ड स्वास्थ्य अधिकारी (ड्ढाह) उपस्थित रहे।

गांधी प्राणी उद्यान में देहरादून से लाया गया नर टाइगर, 7 से 10 दिन क्वारंटाइन में रहेगा

ग्वालियर, जीएनएस। गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में टाइगर प्रजाति में भविष्य में होने वाली आनुवांशिक बीमारियों से बचाव तथा टाइगर समूह में आनुवंशिक विविधता बनाए रखने के उद्देश्य से टाइगर का विनिमय किया जा रहा है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली की अनुमति के उपरांत देहरादून जू से एक यलो टाइगर नर को ग्वालियर लाया गया है। इसके बदले गांधी प्राणी उद्यान ग्वालियर से एक व्हाइट टाइगर नर को देहरादून जू भेजा जाना प्रस्तावित है। क्यूरेटर श्री गौरव परिहार ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में गांधी प्राणी उद्यान में कुल 10 टाइगर, जिनमें 5 नर एवं 5 मादा शामिल हैं, संरक्षित हैं।

टाइगर समूह में आनुवंशिक विविधता बनाए रखने तथा भविष्य में होने वाली आनुवांशिक बीमारियों की संभावनाओं को कम करने के लिए समय-समय पर टाइगर का विनिमय आवश्यक माना जाता है।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार गांधी प्राणी उद्यान से चिड़ियाघर प्रभारी डॉ. उपेन्द्र सिंह यादव, क्यूरेटर श्री गौरव परिहार एवं जू कीपर श्री शिवकुमार पाल का दल देहरादून जू गया था। दल द्वारा वहां से नर टाइगर का व्यवहार एवं भौतिक परीक्षण कर उसे सुरक्षित रूप से ग्वालियर लाया गया है।

दिनांक 26 सितंबर 2026 को प्रातः देहरादून जू से एक नर टाइगर को सुरक्षित रूप से गांधी प्राणी उद्यान ग्वालियर लाया गया। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार टाइगर को प्रारंभिक रूप से 7 से 10 दिनों तक क्वारंटाइन में रखा जाएगा। इस दौरान उसके स्वास्थ्य, व्यवहार एवं अनुकूलन की निगरानी की जाएगी। क्वारंटाइन अवधि पूर्ण होने के बाद टाइगर को पर्यटकों के दर्शन हेतु खुले बाड़े में लाए जाने की प्रक्रिया की जाएगी।

जीवन को भक्ति, संस्कार, प्रेम, सदाचार और सकारात्मकता की दिशा देने वाला ग्रन्थ है श्रीमद्भागवत महापुराण: आचार्य स्वामी भास्करानंद महाराज

गया धाम में पितरों के निमित्त विधि-विधान से तर्पण और पिण्ड दान करने से होती है पितरों को मोक्ष की प्राप्ति – स्वामी भास्करानंद महाराज

बोधगया। रतन रोड़ स्थित धम्मा ग्रैंड होटल एंड रिसॉर्ट में मंगलायतन सेवा ट्रस्ट के द्वारा पितृ पक्ष के उपलक्ष्य में

सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव अत्यन्त श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ प्रारम्भ हो गया है।महोत्सव का शुभारंभ प्रातःकाल गाजे-बाजे के मध्य निकाली गयी श्रीमद्भागवतजी की भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ।साथ ही यजमान परिवार द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीमद्भागवत ग्रन्थ एवं व्यासपीठ का पूजन-अर्चन किया गया।

व्यासपीठ पर आसीन अखण्ड दया धाम वृन्दावन/हरिद्वार के संस्थापक महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी भास्करानंद महाराज ने अपने श्रीमुख से देश-विदेश से आए असंख्य भक्तों-श्रद्धालुओं को तीर्थ की महत्ता बताते हुए कहा कि गया धाम वह दिव्य भूमि है जहां भगवान विष्णु ने अपनी कई लीलाएं की हैं। यह वही भूमि है जहां भगवान बुद्ध को बोध तत्व की प्राप्ति हुई थी।इस भूमि पर पितृ पक्ष में पितरों के निमित्त विधि-विधान से तर्पण और पिण्ड दान करने से हमारे पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।साथ ही यहाँ उनके निमित्त श्रीमद्भागवत कथा श्रवण कराने से भी शतगुणा फल प्राप्त होता है। श्रद्धेय आचार्य स्वामी भास्करानंद महाराज ने श्रीमद्भागवत के महात्म्य की कथा श्रवण कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण कोई साधारण ग्रंथ नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन को भक्ति, संस्कार, प्रेम, सदाचार और सकारात्मकता की दिशा देने वाला दिव्य ग्रंथ है। कलियुग में भगवान का नाम, कथा और सत्संग जीवन को नई दिशा देने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने कहा कि भागवत कथा का वास्तविक उद्देश्य केवल कथा सुनना नहीं, बल्कि उसके संदेश को अपने जीवन में उतारना है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम, परिवार में संस्कार, माता-पिता का सम्मान और समाज के प्रति सेवा भावना ही भागवत के मूल संदेश हैं। साहित्य-संस्कृति-मनीषी ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी (वृन्दावन) ने कहा कि महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी भास्करानंद महाराज भारतीय वैदिक संस्कृति और सनातन धर्म के सशक्त प्रचारक व प्रसारक हैं।साथ ही वे इनके संरक्षण व संवर्धन के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं। इसी के चलते वे देश के विभिन्न प्रांतों के सैकड़ों व्यक्तियों को पितृ पक्ष के दौरान गयाजी में लाकर नित्य श्राद्ध, तर्पण व पिंड दान करवा रहे हैं।उनके इस कार्य की जितनी भी प्रशंसा की जाए, वो कम है। महोत्सव में महाराजश्री की परम् कृपापात्र शिष्या साध्वी कृष्णानंद महाराज ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा से ओत-प्रोत भजनों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया।

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू मैं श्राद्ध पक्ष में भारी संख्या में हुआ पितरों को तर्पण

गायत्री प्रज्ञापीठ कंपू मैं 26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक श्राद्ध तर्पण का कार्यक्रम सुबह दो पालियो में रोजाना विधि विधान कराया गया, दोनों पालियों में सैकड़ो परि जनों की उपस्थिति में तर्पण शुरू हुआ मुख्य प्रवध ट्रस्टी शिव वीर सिंह चौहान एवं व्यवस्थापक श्री यशवंत सिंह ने बताया की तर्पण में प्रधान तत्व जल का ही प्रयोग होता है जिसे सुगंधित एवं गंगाजल मिलाकर मत्रों द्वारा सभी तीर्थ का आवाहन कर तर्पण हेतु बनाने के लिए उसमें जौ,तिल, चावल,दूध,फूल जैसी मांगलिक वस्तुएं डाली जाती हैं, कुशा के द्वारा छोटी अंजलि से मंत्र पूर्वक डालने से ही पितर तृप्त हो जाते हैं, शांति कुंज हरिद्वार से परिवाजक श्री रविंद्र जी द्वारा गायत्री प्रज्ञा पीठ कम्पु में तर्पण, देव दर्पण, ऋषि तर्पण, दिव्य मनुष्य तर्पण, मनुष्य पितृ तर्पण,मत्रों के साथ कराया गया, यह कार्यक्रम पूरे श्राद्ध पक्ष में पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रतिदिन कराया जाएगा सभी परिजनों से अनुरोध है कि वह इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग ले और अपने पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित करें।

नगर निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने सभापति हेल्पलाइन की समीक्षा

30 दिन से अधिक लंबित शिकायतों पर अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने सभापति हेल्प लाइन के अंतर्गत आने वाली शिकायतों के निराकरण को लेकर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की। सीवर समस्या एवं गंदे पानी की शिकायत को लेकर पीएचई विभाग के अधिकारियों को समस्या का निराकरण समय सीमा में करने के निर्देश दिए।

परिषद कार्यालय में स्थित बैठक में नगर निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने सभापति हेल्प लाइन के प्रकरणों की जानकारी ली जिसमें संबंधित अधिकारी द्वारा बताया गया कि अभी तक कुल 3570 शिकायतें प्राप्त हुई है। जिसमें 3197 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है, 373 शिकायतें लंबित है जिनका निराकरण कराया जा रहा है। जिसमें सीवर समस्या को लेकर कुल 1375 शिकायतें प्राप्त हुई। इनमें से 1228 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। 147 शिकायतों का निराकरण सात दिवस में करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

इसके साथ ही गंदे पानी से संबंधित कुल 60 शिकायतों में से 58 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है, दो शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है।

निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 30 दिवस से अधिक की काई भी शिकायत लंबित न रहे अन्यथा संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने नोडल अधिकारी को निर्देशित किया कि जो भी शिकायत सभापति हेल्प लाइन पर आती है उससे संबंधित सहायक यंत्री के माध्यम से समय सीमा में निराकरण करायें। अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित करें। निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने सीवर संधारण व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही जलकर वसूली को लेकर भी उन्होंने अधीक्षण यंत्री को निर्देशित किया कि जलकर वसूली की कार्यवाही सख्ती से करें।

बैठक में सहायक यंत्री श्री कार्तिक पटेल बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर इनके खिलाफ निगमायुक्त को पत्र लिखने के निर्देष सचिव को दिए। बैठक में अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम, कार्यपालन यंत्री श्री प्रवीण दीक्षित, श्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, नोडल अधिकारी सीवर श्री शिशिर श्रीवास्तव, सहायक यंत्री श्री रजनीश गुप्ता, श्री पंकज सिंह, श्री विपिन दुबे, श्री सिद्धार्थ सोनी, श्री अभिषेक प्रसाद उपस्थित रहे।

लेखा समिति में जवाब नहीं देने पर जताई नाराजगी

ग्वालियर। नगर निगम में वित्तीय स्थिति को जानने एवं किए जा रहे भुगतानों की वास्तविक स्थिति जांचने के लिए लेखा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुसार वित्त विभाग द्वारा जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर नाराजगी व्यक्त की और तीन दिन में सम्पूर्ण जानकारी देने के निर्देष वित्त विभाग के अधिकारियों को दिए। बैठक में लेखा समिति के अध्यक्ष श्री अनिल सांखला ने अपर आयुक्त (वित्त) श्री अरविंद शर्मा को निर्देशित किया कि भुगतान हेतु लंबित प्रकरणों की कारण सहित सूची, दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 अगस्त 2026 तक किए गए भुगतानों का विस्तृत स्टेटमेंट तथा 31 अगस्त 2026 की स्थिति में वित्तीय अवशेष की जानकारी अनिवार्य रूप से 3 दिवस के भीतर लेखा समिति के समक्ष उपलब्ध कराई जाए। लेखा समिति का उद्देश्य निगम के वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं सुव्यवस्थित वित्तीय प्रबंधन सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर सदस्य श्री महेंद्र आर्य, श्री मनोज राजपूत, श्रीमती ममता अरविंद शर्मा सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शिविर में योजनाओं का तत्काल मिला लाभ

ग्वालियर, जीएनएस।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप आम जनों को शासकीय योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान' का आयोजन लगातार किया जा रहा है। इसके चलते आमजनों की शिकायतों का शिविर के माध्यम से तत्काल निराकरण हो रहा है, साथ ही आमजनों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर निगम ग्वालियर के क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 17 ढोली बुआ का पुल पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें आमजन से जुडी हुई 18 समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। इनमें पीएम स्वनिधि योजना के 9 प्रकरण, कामकाजी महिला का 1, कल्याणी पेंशन के 5, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 3 प्रकरणों में हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अधिकारी श्री संजीव झा, राजस्व कर संग्रहक श्री नितेष षिवहरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान सैकड़ों की संख्या में अन्य विभागीय व नागरिक सुविधाओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए, जिन्हें दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस दौरान नगर निगम के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

आगामी शुक्रवार को यहां पर लगेगा शिविर

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अगला शिविर दिनांक 9 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 10 (जिला स्तरीय शिविर), दिनांक 16 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 03 एवं 14, दिनांक 23 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 10 एवं 24, दिनांक 30 अक्टूबर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 07 एवं 22, दिनांक 6 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 04 एवं 20, दिनांक 13 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 11 एवं 21, दिनांक 20 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 18 एवं 25, दिनांक 27 नवम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 23, दिनांक 04 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 05, दिनांक 12 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 12, दिनांक 18 दिसम्बर को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 19, दिनांक 01 जनवरी 2027 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 01 एवं दिनांक 8 जनवरी 2027 को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 पर शिविर आयोजित किए जाएगें।

स्वास्थ्य विभाग ने साफ किए 6 ब्लैक स्पॉट

ग्वालियर। ग्वालियर शहर से नगर निगम द्वारा ब्लैक स्पॉट कचरा ठीया हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज नगर निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा 6 ब्लैक स्पॉट खत्म किए गए। वर्तमान समय में शहर लगभग 60 प्रतिशत से अधिक ब्लैक स्पॉट खत्म हो चुके हैं। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देष पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा ब्लैक स्पाट खत्म कर जगह को स्वच्छ बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि रामबाग कॉलोनी लाला का बाजार, आपागंज में जगन भैया की गली में खाली भूखण्ड पर डंप कचरा, तिल्ली फैक्ट्री गिरवाई, वीरपुर बांध के पास गिरवाई, वार्ड 30 तुलसी विहार कॉलोनी, वार्ड 65 सरदार की मल्टी सहित अन्य स्थलों को साफ किया गया तथा स्थानीय नागरिकों को समझाइश दी गई कि आज साफ किए गए स्थानों पर द्वारा अगर कचरा डाला तो जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी।

सड़क पर कचरा फैंकने वालो से वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देशन में खुला संतर मुरार में गंदगी फैलाने वाले ठेले वालों एवं दुकानदारों से 1000 रुपए एवं भैंस डेयरी संचालक से 1000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 59 में गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों से 2500 रुपए का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान जेडएचओ श्री निखिल कड़ेरे एवं डब्ल्यूएचओ श्री धर्मेन्द्र मोरे, लक्ष्मण खरे आदि उपस्थित रहे।

लंपी वायरस से पीड़ित गौवंश का बेहतर उपचार हो

जिला पंचायत सीईओ श्री रावत ने रतवाई आइसोलेशन सेंटर का किया निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर शहर में गौवंश में लंपी वायरस के निराकरण के लिये निरंतर कार्य किया जा रहा है। ग्राम रतवाई की गौशाला में पशु चिकित्सा विभाग द्वारा आइसोलेशन सेंटर स्थापित कर चिकित्सकों की देखरेख में पीड़ित गौवंश का उपचार करने के साथ-साथ टीकाकरण का कार्य भी किया जा रहा है। बीमार गायों का समुचित उपचार और बेहतर देखभाल हो, इसके लिये पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने शुक्रवार को ग्राम रतवाई गौशाला पहुँचकर आइसोलेशन सेंटर का अवलोकन किया और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने गौशाला में बीमार पशुधन के उपचार के लिये कार्य कर रहे चिकित्सकों से कहा है कि पीड़ित पशुधन का उपचार व देखभाल अच्छे से किया जाए ताकि गौवंश को शीघ्र लाभ हो सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि आइसोलेशन सेंटर में उपचाररत गौवंश के खाने-पीने की भी पुख्ता व्यवस्था रखी जाए। आइसोलेशन सेंटर के साथ-साथ शहर में घूम रहे पशुधन का टीकाकरण विभाग अभियान के रूप में करे। नगर निगम के माध्यम से भी शहर से पीड़ित पशुओं को सेंटर तक पहुँचाने और उसके उपचार की व्यवस्था की जाए। सेंटर पर तैनात सभी चिकित्सक पूरी मुस्तैदी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

जहां जात से कोई छोटा नहीं, मेरा आदर्श भारत वही...

मेरे पिताजी वैज्ञानिक थे और मैं मुंबई में पली-बढ़ी। हमारी कॉलोनी में बंगाली, मराठी और दक्षिण भारतीय परिवार रहते थे। स्कूल में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई बच्चे साथ पढ़ते थे। मिल-जुलकर रहना हमारे लिए सामान्य बात थी।

मेरे पड़ोसी सांभर खाते थे और हम अरहर की दाल। उनके घर हल्दी-कुमकुम होता था तो जन्माष्टमी पर मेरे घर झांकी सजती थी। घर में हम अपनी भाषा बोलते और बाहर अंग्रेजी। किसी के खान-पान, पहनावे, बोली या धर्म का अलग होना कभी असामान्य नहीं लगा। यही मुंबई की खूबसूरती थी। शायद मैं 12 साल की थी, जब ट्रेन में किसी ने मुझसे पूछा- तुम्हारी जात क्या है? स्कूल में चार वर्णों के बारे में पढ़ा था और पिता से भी चर्चा हुई थी, लेकिन मुझे लगता था कि जाति तो इतिहास का विषय है, आज के भारत में इसका क्या लेना-देना? हमारे घर काम करने वाली महिला आती थीं। संभव है उनकी जाति हमसे अलग रही हो, लेकिन घर में कभी इस बात की चर्चा नहीं हुई। बस में बगल में कौन बैठा है, यह भी कभी सवाल नहीं बना।

मेरी यह सोच तब बदली, जब मंडल आयोग की सिफारिशों के बाद अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर देश में आंदोलन और विरोध शुरू हुआ। तब समझ आया कि जाति और सामाजिक अवसरों का सवाल आज भी भारत की वास्तविकता है। उस समय मेरी सोच थी कि आरक्षण सही नहीं है और अवसर उसे मिलना चाहिए, जो सबसे अधिक अंक प्राप्त करे।

आज परिस्थितियों को दोनों पक्षों से देखने और समझने का अवसर मिला है। लेखक के रूप में देश के दूर-दराज इलाकों में जाने और लोगों से बातचीत करने का मौका मिला। ओडिशा के कंधमाल से लेकर छत्तीसगढ़ के बस्तर तक विकास हुआ है, लेकिन अब भी बहुत काम बाकी है।

गांव-कस्बों में जाति का प्रभाव आज भी दिखाई देता है। ऐसे में यदि वंचित समुदायों के प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है तो आरक्षण उनके लिए एक सहारा बन सकता है। इन परिवारों से जब कोई युवा आगे बढ़ता है तो उसके पूरे समाज में उम्मीद पैदा होती है।

इसी उद्देश्य से जवाहर नवोदय विद्यालय जैसी संस्थाएं महत्वपूर्ण हैं, जहां बच्चों को कम उम्र में बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। लेकिन केवल अवसर पर्याप्त नहीं हैं। जाति का लेबल कई बार बच्चे के आत्मविश्वास पर भी असर डाल सकता है। इसलिए आत्मविश्वास मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है। इसी संदर्भ में मैंने इंस्टाग्राम पर 'चमार स्टूडियो' नाम का एक अकाउंट देखा। इसके संस्थापक सुधीर राजभर उस समुदाय से आते हैं, जिसे इतिहास में चमड़े के काम से जोड़ा गया और सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा। लेकिन राजभर ने अपनी पहचान को कमजोरी नहीं बनने दिया। वे कहते हैं कि हमें अपने हाथों से काम करना आता है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कारीगरों को साथ जोड़कर ऐसे उत्पाद तैयार किए, जिनमें हस्तकला, डिजाइन और नवाचार का मेल है। उनके काम में फर्नीचर और अन्य उपयोगी वस्तुएं शामिल हैं। उनकी पहचान आज एक कलाकार और नवोन्मेषक के रूप में भी बनी है। यह उदाहरण बताता है कि वंचित समुदायों के लोगों को अवसर और संसाधन मिलना जरूरी है, लेकिन सफलता के रास्ते केवल आईआईटी, आईआईएम या प्रशासनिक सेवाओं तक सीमित नहीं हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

प्रवेश परीक्षाओं से परे : बच्चों को सिखाएं कि असफलता अंत नहीं, आगे बढ़ने की सीढ़ी है

डॉ. विजय गर्ग

प्रवेश परीक्षाएँ लाखों विद्यार्थियों के जीवन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बन चुकी हैं। मेडिकल, इंजीनियरिंग, विश्वविद्यालय और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए होने वाली परीक्षाएँ अनेक युवाओं के लिए केवल ज्ञान की परीक्षा नहीं रह गई हैं, बल्कि वे पसंदीदा करियर तक पहुँचने का द्वार और कभी-कभी अपनी योग्यता सिद्ध करने का माध्यम भी बन गई हैं।

वर्षों की तैयारी, कोचिंग, अभ्यास, मॉक टेस्ट, दोहराई और मेहनत कुछ घंटों की परीक्षा में सिमट जाती है। जब परिणाम आता है, तो किसी विद्यार्थी को अपार खुशी मिलती है, किसी को निराशा, किसी को राहत और किसी को चिंता। जो सफल होते हैं, उनके लिए बधाइयाँ और उत्सव होते हैं। लेकिन उन बच्चों का क्या होता है जो अपेक्षित अंक प्राप्त नहीं कर पाते या मनचाही सीट हासिल नहीं कर पाते?

यहीं से शिक्षा का एक महत्वपूर्ण सबक शुरू होता है-

प्रवेश परीक्षा में असफलता, जीवन में असफलता नहीं है।

एक प्रतियोगी परीक्षा किसी विशेष दिन और विशेष परिस्थितियों में विद्यार्थी के प्रदर्शन को मापती है। यह किसी व्यक्ति की संपूर्ण क्षमता को नहीं माप सकती। यह जिज्ञासा, रचनात्मकता, करुणा, नेतृत्व, दृढ़ता, संवाद-कौशल, व्यावहारिक बुद्धिमत्ता, भावनात्मक परिपक्वता या अनुभव से सीखने की क्षमता का पूर्ण आकलन नहीं कर सकती।

फिर भी बच्चों को अक्सर अलग संदेश मिलता है। बचपन से ही वे तुलना से घिरे रहते हैं-किसने सबसे अधिक अंक प्राप्त किए, किसका किस कॉलेज में प्रवेश हुआ, किसकी रैंक कितनी आई और किसने प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम में जगह बनाई। धीरे-धीरे शैक्षणिक उपलब्धि बच्चे की पहचान से जुड़ने लगती है। बच्चा सोच सकता है, ÷यदि मैं सफल हूँ तो मैं योग्य हूँ; यदि मैं असफल हुआ तो मैंने सभी को निराश कर दिया।÷

शिक्षा को समझने का यह तरीका बच्चों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

परीक्षा के पीछे छिपा दबाव

प्रतियोगी परीक्षाएँ स्वभावतः चुनौतीपूर्ण होती हैं। विद्यार्थी लंबे समय तक पढ़ाई करते हैं, कोचिंग कक्षाओं में जाते हैं, असाइनमेंट पूरे करते हैं और हजारों प्रश्न हल करते हैं। शैक्षणिक दबाव के साथ-साथ माता-पिता, शिक्षकों और मित्रों की अपेक्षाओं पर खरा न उतरने का डर भी रहता है।

सोशल मीडिया इस दबाव को और बढ़ा सकता है। विद्यार्थी अक्सर शानदार रैंक, ऊँचे अंक और सफलता के उत्सव की कहानियाँ देखते हैं। लेकिन हजारों ऐसे विद्यार्थी दिखाई नहीं देते जिन्होंने पूरी मेहनत की, फिर भी परिणाम उनकी अपेक्षा के अनुसार नहीं आया। सफलता की कहानियाँ प्रेरित कर सकती हैं, लेकिन उनसे यह भ्रम नहीं पैदा होना चाहिए कि प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक यात्रा एक ही रास्ते से होकर गुजरती है।

माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों तक यह संदेश पहुँचाना चाहिए कि ऊँची आकांक्षाएँ आवश्यक हैं, लेकिन बच्चे की भावनात्मक खुशहाली और आत्म-मूल्य को केवल परीक्षा परिणाम पर निर्भर नहीं होना चाहिए।

परिणाम पहचान नहीं है

बच्चों को दिए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण जीवन-पाठों में से एक यह है कि ÷मैं किसी काम में असफल हुआ हूँ÷ और ÷मैं असफल हूँ÷-दो बिल्कुल अलग बातें हैं।

पहला वाक्य एक अनुभव को दर्शाता है। दूसरा व्यक्ति की पूरी पहचान पर प्रश्न खड़ा करता है।

कोई विद्यार्थी पूरी मेहनत के बावजूद किसी विशेष प्रवेश परीक्षा में सफल नहीं हो सकता। इसका कारण तैयारी में कमी, गलत रणनीति, पर्याप्त अभ्यास का अभाव, परीक्षा का तनाव, समय-प्रबंधन की समस्या या अत्यधिक प्रतिस्पर्धा हो सकता है। लेकिन एक परिणाम विद्यार्थी की संपूर्ण क्षमता का वर्णन नहीं करता।

निराशाजनक परिणाम के बाद यह अंतर विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। बच्चा पहले से ही आत्म-संदेह से जूझ रहा हो सकता है। कठोर आलोचना, अपमान या तुलना अस्थायी निराशा को लंबे समय तक आत्मविश्वास की कमी में बदल सकती है। तुम असफल हो गए÷ कहने के बजाय बड़े यह कह सकते हैं-

इस प्रयास का परिणाम तुम्हारी अपेक्षा के अनुसार नहीं आया। आइए समझते हैं कि क्या हुआ और अब आगे क्या किया जा सकता है।÷

शब्दों का यह छोटा-सा परिवर्तन बच्चे की सोच पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

असफलता एक शिक्षक बन सकती है

असफलता दुखद होती है, लेकिन यह शिक्षाप्रद भी हो सकती है।

निराशाजनक परिणाम विद्यार्थी को अपनी तैयारी की समीक्षा करने का अवसर देता है। क्या कठिन विषयों को पर्याप्त समय दिया गया था? क्या अवधारणाओं को सही ढंग से समझा गया था? क्या मॉक टेस्ट का विश्लेषण किया गया था? क्या दोहराई व्यवस्थित थी? क्या नींद, एकाग्रता और शारीरिक स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान दिया गया था?

ये प्रश्न असफलता को अंतिम निर्णय के बजाय सीखने के अवसर में बदल सकते हैं।

जो विद्यार्थी अपनी गलतियों का विश्लेषण करना सीखता है, वह जीवन का एक महत्वपूर्ण कौशल सीखता है-आत्म-सुधार।

वास्तविक जीवन में भी पहला प्रयास हमेशा सफल नहीं होता। वैज्ञानिक प्रयोग करते हैं और कभी-कभी अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता। उद्यमी असफल परियोजनाओं का सामना करते हैं। लेखक अपनी रचनाओं में संशोधन करते हैं। खिलाड़ी प्रतियोगिताएँ हारकर फिर अभ्यास करते हैं। पेशेवर अपनी गलतियों से सीखकर अपनी कार्य-पद्धति सुधारते हैं। प्रगति का अर्थ हर असफलता से बचना नहीं, बल्कि असफलता का समझदारी से सामना करना है।

माता-पिताः दबाव से साझेदारी की ओर

माता-पिता स्वाभाविक रूप से अपने बच्चों को सफल देखना चाहते हैं। उनकी अपेक्षाएँ अक्सर प्रेम और बच्चे के भविष्य की चिंता से जुड़ी होती हैं। लेकिन अत्यधिक दबाव अनजाने में यह संदेश दे सकता है कि माता-पिता की स्वीकृति केवल उपलब्धियों पर निर्भर है।

शैक्षिक पूंजी : भारत को केवल महंगे कैंपस नहीं, बल्कि किफायती कॉलेजों की जरूरत है

डॉ. विजय गर्ग

शिक्षा किसी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होती है। सड़कें, इमारतें, उद्योग और तकनीक देश की प्रगति को गति दे सकते हैं, लेकिन ज्ञानवान, कुशल और जिम्मेदार नागरिकों के बिना यह प्रगति टिकाऊ नहीं हो सकती। इसलिए उच्च शिक्षा में निवेश को केवल खर्च नहीं, बल्कि शैक्षिक पूंजी में निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए।

भारत में पिछले दशकों में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है। लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी सामने है-क्या गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा वास्तव में सामान्य परिवारों के बच्चों के लिए किफायती है?

केवल बड़ी इमारतें ही गुणवत्ता की पहचान नहीं

आज कई शिक्षण संस्थान अपने विशाल कैंपस, आधुनिक इमारतों, वातानुकूलित कक्षाओं और महंगी सुविधाओं को अपनी पहचान के रूप में प्रस्तुत करते हैं। ये सुविधाएँ उपयोगी हो सकती हैं, लेकिन एक अच्छे कॉलेज की वास्तविक शक्ति केवल उसकी इमारतों में नहीं होती।

अच्छे शिक्षक, मजबूत पाठ्यक्रम, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, शोध के अवसर, डिजिटल संसाधन, विद्यार्थी मार्गदर्शन और मजबूत शैक्षणिक वातावरण किसी संस्थान की वास्तविक गुणवत्ता का निर्माण करते हैं।

इसलिए भारत को ऐसे अधिक कॉलेजों की आवश्यकता है जो उच्च गुणवत्ता और कम फीस के मॉडल को अपनाएँ।

महंगी शिक्षा की छिपी हुई लागत

किसी विद्यार्थी के लिए शिक्षा का खर्च केवल ट्यूशन फीस तक सीमित नहीं होता। हॉस्टल, परिवहन, किताबें, डिजिटल उपकरण, परीक्षा शुल्क, भोजन और अन्य शैक्षणिक खर्च भी परिवार पर बड़ा आर्थिक बोझ डाल सकते हैं।

एक सामान्य परिवार के लिए ये सभी खर्च मिलकर उच्च शिक्षा को कठिन बना सकते हैं। कई बार एक योग्य विद्यार्थी केवल इसलिए अपनी पसंद का पाठ्यक्रम नहीं कर पाता क्योंकि परिवार उसकी पूरी लागत वहन नहीं कर सकता।

यह स्थिति हमें सोचने के लिए मजबूर करती है कि क्या शिक्षा केवल उन लोगों तक सीमित होनी चाहिए जिनके पास अधिक आर्थिक संसाधन हैं?

अमीर वर्ग की भूमिका

भारत के धनाढ्य उद्योगपति, कारोबारी, परोपकारी संस्थाएँ, पूर्व विद्यार्थी और कॉरपोरेट क्षेत्र उच्च शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

बड़ी दानराशियाँ केवल शानदार इमारतें बनाने में ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की शिक्षा को किफायती बनाने में भी इस्तेमाल की जा सकती हैं।

ऐसे योगदान से छात्रवृत्तियाँ, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, शोध केंद्र, शिक्षक विकास, हॉस्टल और डिजिटल शिक्षा की सुविधाएँ विकसित की जा सकती हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दान का उपयोग ऐसे अवसर पैदा करने के लिए हो, जिनसे अधिक से अधिक योग्य विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।

छात्रवृत्ति से आगे

छात्रवृत्ति बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल छात्रवृत्ति ही समाधान नहीं है। हमें ऐसे संस्थानों की भी आवश्यकता है जहाँ सामान्य परिवारों के बच्चे बिना भारी कर्ज या अत्यधिक आर्थिक दबाव के पढ़ सकें।

इसलिए किफायती कॉलेज मॉडल भारत की उच्च शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा हो सकता है-कम फीस, गुणवत्तापूर्ण अध्यापन और मजबूत शैक्षणिक सुविधाएँ।

किफायती होने का अर्थ कम गुणवत्ता वाला होना नहीं होना चाहिए।

गाँवों और छोटे शहरों के लिए अवसर

भारत की बड़ी आबादी गाँवों और छोटे शहरों में रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए महानगरों में जाकर महंगी शिक्षा प्राप्त करना संभव नहीं है।

यदि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे, किफायती और आधुनिक कॉलेज विकसित किए जाएँ, तो विद्यार्थियों को अपने घरों के पास ही उच्च शिक्षा के अवसर मिल सकते हैं।

इससे परिवारों का रहने और परिवहन का खर्च भी कम हो सकता है और स्थानीय क्षेत्रों में ज्ञान तथा रोजगार का वातावरण भी मजबूत हो सकता है।

कॉरपोरेट और सामाजिक जिम्मेदारी

कॉरपोरेट क्षेत्र और बड़ी कंपनियाँ शिक्षा को सामाजिक निवेश का महत्वपूर्ण क्षेत्र मान सकती हैं। उनका योगदान केवल भवन निर्माण तक सीमित न रहकर विद्यार्थी छात्रवृत्ति, शोध, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल प्रयोगशालाओं और ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक अवसरों की दिशा में भी होना चाहिए।

इसके साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और शैक्षणिक स्वतंत्रता को भी महत्व देना आवश्यक है।

शहर के प्रमुख बाजारों में यातायात में बाधक हाथ ठेले वालों को हटाया

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मदाखलत दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हाथ ठेले, फुटपाथी फड़, दुकानों के बाहर रखा सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटवाया।

जिसके तहत आज ग्वालियर विधानसभा में किलागेट रोड हजीरा चौराह, चार शहर का नाका, इंटक मैदान रोड पर यातायात में बाधक हाथठेलों द्वारा सड़क पर रखा सामान एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण हटवाकर हाकर्स जोन में भिजवाया गया और राठौर चौक नहर पटटा रोड गदाईपुरा में संबंधित क्षेत्राधिकारी श्री कार्तिक पटेल द्वारा बताए गए भवन पर बने रेम्पो को जे.सी.बी. मशीन की सहायता से तुड़ाई की कार्यवाही की गई।इसके साथ ही पूर्व विधानसभा में गोले के मंदिर चौराहे से एयरपोर्ट चौराहा तक रोड के दोनो तरफ फुटपाथ क्लीयर कराया और यूनपैच फैक्ट्री चौराहे से लोह पीटाओं के बने छप्परो को हटवाया गया और पिन्टो पार्क तिराह से एयरपोर्ट रोड तक खम्बो, डिवाइडरों आदि स्थानों पर लगे कट आउट बैनरों आदि को हटवाया गया।

साथ ही दक्षिण विधानसभा में महाराज बाडा अर्न्तगत सुभाष मार्केट, नजर बाग मार्केट, टोपी बाजार छापाखाना स्काउट एवं मुख्य मार्गो से हाथ ठेलो. फुटपाथियों को हटाकर मुख्यमार्ग क्लीयर करवाया गया। इसके साथ ही ग्रामीण विधानसभा में पुरानी छावनी, मुख्य मार्गो से हाथ ठेलो, फुटपाथियों को हटाकर मुख्यमार्ग क्लीयर करवाया गया। साथ ही मवेशी दल कन्ट्रोलरूम पर प्राप्त शिकायतो के आधार पर शहर भर से लम्पीग्रस्त गौवंश को उठाकर उपचार हेतु आइसोलेशन सेन्टर रतवाई गौशाला छोडा गया एवं घायल बीमार गौवशं को उपचार हेतु लाल टिपारा गौशाला छोड़ा गया।

ग्वालियर विधानसभा में 30 सितम्बर एवं 01 अक्टूबर को जल प्रदाय रहेगा प्रभावित

ग्वालियर, जीएनएस। 160 एमएलडी जल शोधन संयंत्र जलालपुर से ग्वालियर विधानसभा की ओर जाने वाली 800 एमएम व्यास की पम्पिंग मैन लाइन से चार शहर का नाका चौराहे पर 600 एमएम व्यास की नवीन डीआई पाईप लाईन से मिलान कार्य के चलते ग्वालियर विधानसभा में दिनांक 30 सितम्बर एवं 01 अक्टूबर को जल प्रदाय प्रभावित रहेगा।

कार्यपालन यंत्री श्री शिशिर श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि 160 एमएलडी जल शोधन संयंत्र जलालपुर से ग्वालियर विधानसभा की ओर जाने वाली 800 एमएम व्यास की पम्पिंग मैन लाइन से चार शहर का नाका चौराहे पर 600 एमएम व्यास की नवीन डीआई पाईप लाईन से मिलान कार्य हेतु दिनांक 29.09.2026 से 30.09.2026 तक दो दिवस का शटडाउन लिया जाना है, जिस कारण दिनांक 30.9.2026 को होने वाला सीधा जल प्रदाय एवं 01.10.2026 को टंकियों के माध्यम से ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में होने वाला जल प्रदाय प्रभावित रहेगा।

जनहित याचिका पर की जा रही कार्यवाही को लेकर निगमायुक्त ने की समीक्षा

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने माननीय न्यायालय में संचालित जनहित याचिका पर नगर निगम द्वारा की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर, अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम, सिटी प्लानर श्री सुरेश अहिरवार, नोडल अधिकारी विधि श्री अनूप लिटोरिया सहित संबंधित कार्यपालन यंत्री, नोडल अधिकारी, भवन अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त श्री चौधरी ने बाल भवन में समीक्षा बैठक के दौरान मुरार नदी के संबंध में जनहित याचिका पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। इसके साथ ही जल भराव के स्थलों, होर्डिंग, रोड सहित अन्य जनहित याचिकाओं पर भी चर्चा की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

संजीव कुशवाह जिला अध्यक्ष एवं अनिल कुशवाह बने ग्वालियर संभाग अध्यक्ष

गुना। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नारायण सिंह कुशवाह द्वारा संजीव कुशवाह को गुना जिला अध्यक्ष एवं अनिल कुशवाह को ग्वालियर संभाग अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दोनों की नियुक्ति पर समाजजनों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। नियुक्ति के बाद शुभचिंतकों ने उनके निवास पर पहुंचकर पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर बधाई और शुभकामनाएं दीं। वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से भी समाज के लोगों एवं शुभचिंतकों द्वारा दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी जा रही है। समाजजनों ने विश्वास जताया कि संजीव कुशवाह एवं अनिल कुशवाह अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए समाज को संगठित करने सामाजिक एकजुटता बढ़ाने तथा समाजहित की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल पद से बर्खास्त और एसआईआर रोकने प्रदर्शन

गुना। एसयूसीआई(सी) के द्वारा शुक्रवार को स्थानीय हनुमान चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी राज्य कमेटी सदस्य लोकेश शर्मा ने कहा कि मीडिया में चुनाव आयोग के संबंध में किए गए खुलासों ने आम जनता और विशेष रूप से लोकतांत्रिक लोगों के बीच चुनाव आयोग की सत्यनिष्ठा और निष्पक्षता को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि तीन में से दो चुनाव आयुक्तों ने विभिन्न पहलुओं पर अपनी आपत्तियां दर्ज की हैं। लेकिन मौजूदा कानून का उल्लंघन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कथित रूप से सत्ता में मौजूद पार्टी भाजपा के पक्ष में सभी फैसले एकतरफा लिए और विभिन्न राज्यों में उसकी चुनावी जीत सुनिश्चित करने का प्रयास किया। पार्टी जिला कमेटी सदस्य मनोज रजक ने अपने संबोधन में कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि यह हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों पर एक फासीवादी हमला है। ऐसी परिस्थिति में मांग करतें है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाया जाए।

राशन वितरण केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और अगरबत्ती निर्माण इकाई का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

गुना, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत शुक्रवार को आरोन के ग्राम पतलेश्वर में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने विभिन्न शासकीय संस्थाओं एवं स्व-सहायता समूह की गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित अगरबत्ती निर्माण इकाई का अवलोकन कर महिलाओं से उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादन क्षमता और रोजगार से जुड़े विषयों की जानकारी ली। उन्होंने समूह की महिलाओं की आत्मनिर्भरता की सराहना करते हुए कहा कि आप किसी पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि स्वयं रोजगार प्राप्त करने के साथ अन्य लोगों को भी रोजगार दे रही हैं। उन्होंने आवश्यकता होने पर अगरबत्ती निर्माण गतिविधि के विस्तार के लिए ऋण सहित आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की बात भी कही।

स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित अगरबत्ती निर्माण इकाई में कलेक्टर ने महिलाओं से बातचीत कर अगरबत्ती बनाने की विधि और प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पाद तक की पूरी प्रक्रिया देखी तथा प्रतिदिन होने वाले उत्पादन और उत्पाद तैयार करने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने समूह की महिलाओं के प्रयासों की सराहना की और गतिविधि को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया। कलेक्टर श्री कन्याल ने ग्राम पतलेश्वर स्थित शासकीय राशन वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। केंद्र का संचालन गंगा मैया स्व-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने समूह की सदस्यों से राशन वितरण व्यवस्था एवं संचालन से संबंधित जानकारी ली और आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

बस किराया वृद्धि वापस लेने और फ्री बस पास की मांग को लेकर डीएसओ का प्रदर्शन

गुना, जीएनएस। स्थानीय अंबेडकर चौराहा पर छात्र संगठन डीएसओ द्वारा बस किराए में की गई वृद्धि वापस लेने और सभी छात्रों के लिए फ्री बस पास उपलब्ध कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में कॉलेज छात्र अमित तथा रोहित अहिरवार ने अपनी बात रखी। जिलाध्यक्ष शुभम राव ने कहा कि हाल ही में 5 अगस्त 26 को बस किराए से संबंधित नए नियम लागू किए गए, जिसके तहत साधारण बस का किराया 1.25 प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर 2 प्रति किलोमीटर तथा न्यूनतम किराया 10 किया गया है। सामान्य बसों में रात के समय 10 प्रतिशत तक अतिरिक्त किराया लिया जा सकता है। इसके अलावा डीलक्स, स्लीपर और एसी बसों के किराए में भी वृद्धि की गई है। महंगाई और बेरोजगारी के बीच किराए में यह बढ़ोतरी आम परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालती है। इसका विशेष प्रभाव गांवों से शहरों में पढ़ाई या काम के लिए आने-जाने वाले छात्रों, मजदूरों और नियमित यात्रियों पर पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि गुना के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लगभग 15 हजार छात्र अध्ययनरत हैं। छात्रों से बस सुविधा के नाम पर 365 लिए जाते हैं, लेकिन इतने बड़े छात्र समुदाय के लिए केवल एक बस उपलब्ध होना पर्याप्त नहीं है। एक ओर स्कूल-कॉलेजों की फीस और अन्य शैक्षणिक खर्च बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर परिवहन का खर्च भी लगातार बढ़ता जा रहा है। दूर-दराज के गांवों से 100 से 150 किलोमीटर की दूरी तय कर पढ़ाई करने आने वाले छात्रों को प्रतिदिन लगभग 300 तक किराया देना पड़ रहा है। आर्थिक बोझ के कारण कई छात्र अपनी पढ़ाई जारी रखने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं और कुछ को पढ़ाई छोड़ने तक की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

कलेक्टर ने बच्चों से संवाद कर विकसित भारत 2047 की दी जानकारी, स्वस्थ जीवन और खेल से जुड़ने किया प्रेरित

गुना, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत शुक्रवार को आरोन की ग्राम पंचायत रामपुर स्थित एकीकृत हाई स्कूल रामपुर के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने छात्रों द्वारा विकसित भारत की थीम पर तैयार की गई विभिन्न प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से स्मार्ट क्लास के माध्यम से पढ़ाई में आए बदलावों और उनके अनुभवों के बारे में संवाद किया।

स्मार्ट क्लास से तुरंत मिल रही नई जानकारी

कलेक्टर श्री कन्याल ने छात्रों से पूछा कि स्मार्ट क्लास शुरू होने के बाद पढ़ाई में पहले और अब क्या अंतर आया है। छात्रों ने बताया कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से उन्हें विषयों को समझने में आसानी होती है और आवश्यक जानकारी तुरंत प्राप्त हो जाती है। इस दौरान एक छात्रा कीर्ति कुशवाह ने कलेक्टर से पूछा कि कलेक्टर कैसे बनें और इसके लिए मार्गदर्शन मांगा। कलेक्टर श्री कन्याल ने उसे विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जीवन में जो भी कार्य करें, उसे पूरे मन और लगन से करें। उन्होंने सफलता के लिए ÷रीड, राइट और रिवाइज का मंत्र अपनाने के साथ इंटरनेट

का उपयोग केवल जरूरी और सीमित चीजों की जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी।

कलेक्टर श्री कन्याल ने छात्रों से विकसित भारत 2047 के विषय में चर्चा करते हुए उन्हें देश के विकास में युवाओं की भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ अपने ज्ञान और कौशल को निरंतर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने छात्रों को स्वस्थ रहने के लिए नियमित दिनचर्या अपनाने तथा खेल गतिविधियों से जुड़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ शारीरिक गतिविधियां भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

कलेक्टर श्री कन्याल ने बच्चों को जीवन में अनुशासन, जिम्मेदारी और अच्छे संस्कारों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छा करियर बनाना ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार और अच्छे नागरिक बनना भी है। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर श्री कन्याल ने अच्छे कार्य करने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा साइकिल का वितरण भी किया। इसके बाद बच्चों और स्कूल स्टाफ के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाई। इसके बाद कलेक्टर ने स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित सिलाई सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने समूह की महिलाओं से सेंटर में किए जा रहे कार्यों, उत्पादन और बिक्री के संबंध में जानकारी ली तथा उन्हें प्रोत्साहित किया। इसके बाद उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने बच्चों से संवाद किया और उन्हें खाद्य सामग्री भी वितरित की। भ्रमण के दौरान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने उद्यानिकी एवं कृषि गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान ग्राम आरोन के कृषक राकेश केवट द्वारा आधुनिक एवं वैज्ञानिक उद्यानिकी तकनीकों से किए जा रहे सब्जी उत्पादन की जानकारी ली।

श्राद्ध कर्म केवल स्मरण की परंपरा नहीं, इसके पीछे पंचतत्व, पर्यावरण और सामाजिक संबंधों की अवधारणाएं भी जुड़ी हैं

पितृपक्ष : परंपरा, आस्था और प्रकृति से जुड़ा विज्ञान

प्रमोद भार्गव

जीवन का अंतिम संस्कार अंत्येष्टि है। इसके साथ सांसारिक जीवन का समापन माना जाता है, लेकिन अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति और सनातन परंपराओं के कारण उनसे जुड़े संस्कार आगे भी जारी रहते हैं। पितृपक्ष में किया जाने वाला श्राद्ध कर्म इसी परंपरा का हिस्सा है। इसे दिवंगत पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने का माध्यम माना जाता है। मृत्यु से लेकर श्राद्ध तक की अनेक क्रियाओं के पीछे धार्मिक मान्यताओं के साथ शरीर और प्रकृति से जुड़े विचार भी दिखाई देते हैं।

भारतीय दर्शन में मानव शरीर को पंचतत्वों से निर्मित माना गया है। चूड़ामणि उपनिषद में ब्रह्म से आत्मा, आत्मा से आकाश, आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल और जल से पृथ्वी की उत्पत्ति का उल्लेख मिलता है। इसी अवधारणा के आधार पर हिंदू परंपरा में अंत्येष्टि के दौरान मृत शरीर को अग्नि के माध्यम से पंचतत्वों में विलीन करने की व्यवस्था है।

मृत्यु के बाद शरीर के स्थूल और सूक्ष्म स्वरूप को लेकर भारतीय दर्शन में विस्तृत चिंतन मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शरीर से सूक्ष्म तत्वों के अलग होने के बाद उनका संबंध कुछ समय तक परिजनों और संसार से बना रहता है। पितृपक्ष में श्राद्ध और तर्पण जैसी क्रियाओं को इसी संबंध की पूर्णता से जोड़ा गया है। दशगात्र, श्राद्ध और अन्य संस्कारों का उद्देश्य भी इसी धार्मिक अवधारणा में मृतक के प्रति कर्तव्य की पूर्ति माना गया है।

कपाल क्रिया की परंपरा

हिंदू अंत्येष्टि संस्कार में कपाल क्रिया की भी परंपरा रही है। गरुड़ पुराण में शवदाह के दौरान कपाल क्रिया का उल्लेख मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसके माध्यम से शरीर के अंतिम अवशेषों को पंचतत्वों में विलीन किया जाता है। ब्रह्मरंध्र को भी भारतीय दर्शन में महत्वपूर्ण माना गया है। सिर के ऊपरी भाग में स्थित इस स्थान को प्राण और चेतना से जोड़कर देखा गया है। इसी कारण भारतीय परंपरा में सिर के इस हिस्से को विशेष महत्व मिला।

महाभारत में भी ब्रह्मरंध्र और जीवन-चेतना से जुड़ी कथाएं मिलती हैं। उत्तरा के मृत जन्मे पुत्र परीक्षित के प्रसंग में भगवान कृष्ण द्वारा शिशु में प्राणों का संचार किए जाने का वर्णन है। धार्मिक आख्यानों में इसे जीवन और चेतना के रहस्य से जोड़कर देखा गया है।

अस्थि विसर्जन और प्रकृति

अस्थियों के नदी में विसर्जन की परंपरा भी भारतीय संस्कारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अस्थियों में विभिन्न खनिज तत्व पाए जाते हैं, जिनमें फास्फोरस भी शामिल है। पारंपरिक दृष्टि से अस्थि विसर्जन को प्रकृति के चक्र में वापसी के रूप में देखा गया। गंगा जैसी नदियां प्राचीन काल से भारतीय जीवन और कृषि व्यवस्था का आधार रही हैं। हालांकि आधुनिक समय में नदियों में किसी भी प्रकार के पदार्थ के विसर्जन के पर्यावरणीय प्रभाव को ध्यान में रखना भी आवश्यक है।

पुत्र से अंतिम संस्कार की मान्यता

हिंदू परंपरा में अंतिम संस्कार और पिंडदान का दायित्व परंपरागत रूप से पुत्र को सौंपा गया। इसके पीछे वंश परंपरा और रक्त संबंध की अवधारणा रही है। मनुस्मृति में पुत्र शब्द की व्याख्या 'पुं' नामक नरक से त्राण दिलाने वाले के रूप में की गई है। हालांकि समय के साथ सामाजिक मान्यताओं में परिवर्तन आया है और पुत्र न होने की स्थिति में पुत्री सहित अन्य निकट परिजन भी अंतिम संस्कार और श्राद्ध कर्म करते हैं।

भारतीय दर्शन मृत्यु को पूर्ण अंत नहीं मानता। भगवद्गीता में आत्मा को अजन्मा और अविनाशी बताते हुए शरीर परिवर्तन की तुलना पुराने वस्त्र छोड़कर नए वस्त्र धारण करने से की गई है। पुनर्जन्म की यह धारणा हिंदू दर्शन का महत्वपूर्ण आधार है।

आधुनिक विज्ञान में चेतना, मस्तिष्क और मृत्यु के बाद की अवस्थाओं पर शोध जारी है। रोजर पेनरोज और स्टुअर्ट हैमरॉफ ने चेतना और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को लेकर 'क्वांटम चेतना' से संबंधित परिकल्पना प्रस्तुत की है। हालांकि आत्मा या पुनर्जन्म को वैज्ञानिक रूप से सिद्ध तथ्य मानने पर अभी व्यापक वैज्ञानिक सहमति नहीं है। इन अवधारणाओं को धर्म, दर्शन और विज्ञान के अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जाता है।

इसी तरह पुनर्जन्म और पूर्वजन्म के संस्कारों को लेकर भी विभिन्न आध्यात्मिक और परामनोवैज्ञानिक मत रहे हैं। भारतीय परंपरा में यह विश्वास है कि मनुष्य अपने संस्कारों और कर्मों के प्रभाव के साथ आगे की यात्रा करता है। यही विचार श्राद्ध और पितृ स्मरण की परंपरा को भावनात्मक आधार देता है।

श्राद्ध पक्ष में कौओं को भोजन

पितृपक्ष में कौओं को भोजन कराने की परंपरा भी प्रकृति और धार्मिक आस्था के बीच संबंध का उदाहरण है। बरगद और पीपल जैसे वृक्षों को भारतीय संस्कृति में देववृक्ष का दर्जा दिया गया है। ये वृक्ष पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं और अनेक जीवों को आश्रय देते हैं।

कौए इन वृक्षों के फलों को खाते हैं और उनके बीज दूसरी जगह पहुंचाते हैं। इस तरह वे प्राकृतिक प्रसार में भूमिका निभाते हैं। श्राद्ध पक्ष में कौओं को भोजन कराने की परंपरा को इसी पर्यावरणीय संबंध से भी जोड़कर देखा जा सकता है। भारतीय परंपरा में पंचबलि के अंतर्गत विभिन्न जीवों को भोजन कराने का विधान रहा है। इसका एक उद्देश्य मनुष्य के साथ अन्य जीवों के सह-अस्तित्व की भावना विकसित करना भी माना जा सकता है।

पितृपक्ष इसलिए केवल कर्मकांड भर नहीं है। यह पूर्वजों के प्रति स्मरण, परिवार और वंश की निरंतरता, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता तथा जीव-जगत के साथ सह-अस्तित्व की भारतीय अवधारणा को भी सामने लाता है। आधुनिक विज्ञान इन परंपराओं के प्रत्येक धार्मिक दावे की पुष्टि नहीं करता, लेकिन इनके सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय पक्षों का अध्ययन आज भी महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि हजारों वर्षों से चली आ रही पितृ स्मरण की यह परंपरा आज भी भारतीय समाज में जीवित है।

महिला किसान : कृषि की अनसुनी आधारशिलाएं

डॉ. विजय गर्ग

जब हम खेती-किसानी के बारे में सोचते हैं, तो अक्सर हमारे मन में खेतों में काम करता किसान, कृषि मशीनरी चलाता व्यक्ति, फसलों की देखभाल करता किसान या कटी हुई फसल को ढोता हुआ व्यक्ति दिखाई देता है। लेकिन इस परिचित तस्वीर के पीछे एक और महत्वपूर्ण, पर अक्सर उपेक्षित भूमिका मौजूद है—महिला किसान की।

महिलाएँ हमेशा से कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। वे बीज बोती हैं, पौधों की रोपाई करती हैं, निराई-गुड़ाई करती हैं, फसल काटती हैं, पशुओं की देखभाल करती हैं, खाद्य उत्पाद तैयार करती हैं, बीजों को सुरक्षित रखती हैं और खेत तथा परिवार के प्रबंधन में योगदान देती हैं। इतने बड़े योगदान के बावजूद उनके काम को अक्सर कृषि कार्य के रूप में पहचानने के बजाय केवल ÷किसान की मदद÷ कहा जाता है।

यह अदृश्य अंतर महत्वपूर्ण है।

कृषि के केंद्र में महिलाएँ

कई ग्रामीण समुदायों में महिलाएँ कृषि उत्पादन के लगभग हर चरण में भाग लेती हैं। उनकी जिम्मेदारियाँ सूर्योदय से पहले शुरू हो सकती हैं और खेत का काम समाप्त होने के बाद भी जारी रहती हैं। वे कृषि कार्य के साथ खाना बनाने, पानी और ईंधन जुटाने, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल तथा घरेलू जिम्मेदारियों को भी निभाती हैं।

इनमें से बहुत-से कार्य शारीरिक रूप से कठिन और आर्थिक रूप से मूल्यवान होते हैं, भले ही घरेलू आय के रिकॉर्ड में उनका अलग से उल्लेख न हो।

महिलाएँ कृषि में केवल सहायक नहीं हैं। वे कृषि श्रमिक, निर्णय लेने वाली, पशुपालक, बीज संरक्षक, खाद्य उत्पादक और तेजी से उभरती उद्यमी भी हैं।

अदृश्य योगदान

महिला किसानों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक उनके काम की पर्याप्त पहचान का अभाव है।

जब भूमि किसी पुरुष के नाम पर दर्ज होती है, तो उस भूमि पर काम करने वाली महिला को आधिकारिक रूप से किसान के रूप में पहचान नहीं मिल पाती। इसी प्रकार, परिवार में बिना वेतन किया गया महिला श्रम भी आँकड़ों में अदृश्य रह सकता है, जबकि वह कृषि उत्पादन में प्रत्यक्ष योगदान देता है।

पहचान महत्वपूर्ण है, क्योंकि कानूनी और संस्थागत पहचान का संबंध कृषि योजनाओं, ऋण, बीमा, प्रशिक्षण, तकनीक, बाजार और अन्य सहायता तक पहुँच से हो सकता है।

यदि महिलाओं का योगदान अदृश्य रहेगा, तो कृषि को समर्थन देने के लिए बनाई गई नीतियाँ भी कृषि कार्यबल के एक महत्वपूर्ण हिस्से तक पूरी तरह नहीं पहुँच पाएँगी।

महिलाएँ और पशुपालन

महिलाएँ परंपरागत रूप से पशुपालन से जुड़ी गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। पशुओं को चारा देना, उनके स्थानों की सफाई करना, चारा एकत्र करना, दूध निकालना और छोटे पशुओं की देखभाल करना अक्सर उनकी दैनिक जिम्मेदारियों का हिस्सा होता है।

पशुधन परिवारों को दूध, अंडे, मांस और अतिरिक्त आय प्रदान कर सकता है। अनेक ग्रामीण परिवारों के लिए यह कठिन कृषि मौसम के दौरान आर्थिक सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण साधन भी है।

फिर भी पशुपालन में महिलाओं के ज्ञान और श्रम को हमेशा वह पहचान नहीं मिलती, जिसके वे योग्य हैं।

बीज, भोजन और पारंपरिक ज्ञान

महिलाओं ने कृषि ज्ञान के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कई समुदायों में महिलाएँ पारंपरिक रूप से बीजों का चयन और संरक्षण करती रही हैं, स्थानीय फसल किस्मों को सुरक्षित रखती हैं, खाद्य पदार्थ तैयार करती हैं और पौधों तथा कृषि पद्धतियों से संबंधित ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाती हैं।

यह पारंपरिक ज्ञान जैव-विविधता और जलवायु अनुकूलन के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। स्थानीय फसल किस्मों में ऐसी विशेषताएँ हो सकती हैं, जो उन्हें विशेष पर्यावरणीय परिस्थितियों में जीवित रहने में सहायता करती हैं।

महिलाओं को इस ज्ञान की संरक्षक के रूप में पहचानना कृषि को केवल उत्पादन नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कृति की एक जीवंत व्यवस्था के रूप में स्वीकार करना है।

तकनीक और महिलाओं की बदलती भूमिका

कृषि तेजी से बदल रही है। मशीनीकरण, डिजिटल उपकरण, बेहतर सिंचाई, आधुनिक फसल किस्में, मौसम संबंधी जानकारी और बाजार प्लेटफॉर्म खेती के स्वरूप को बदल रहे हैं।

महिला किसानों को भी इन विकासों से लाभ उठाने के समान अवसर मिलने चाहिए।

तकनीक तक पहुँच केवल मशीन या स्मार्टफोन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। प्रशिक्षण, किफायती संसाधन, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय सुविधा और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

जब महिलाओं को उचित प्रशिक्षण और संसाधन मिलते हैं, तो वे नई तकनीकों को अपना सकती हैं, उत्पादकता बढ़ा सकती हैं और कृषि बाजारों में अधिक प्रभावी ढंग से भाग ले सकती हैं।

श्रमिक से उद्यमी तक

ग्रामीण महिलाओं की भूमिका पारंपरिक कृषि कार्यों से आगे भी बढ़ रही है।

महिलाएँ खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी व्यवसाय, हस्तशिल्प, बीज उत्पादन, रसोई बागवानी, स्वयं सहायता समूहों और छोटे कृषि व्यवसायों में बढ़-चढ़कर भाग ले रही हैं। ये गतिविधियाँ आय के अतिरिक्त स्रोत पैदा कर सकती हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकती हैं।

कृषि श्रमिक से उद्यमी बनने का यह परिवर्तन महिलाओं को अधिक आर्थिक स्वतंत्रता और परिवार तथा समुदाय के निर्णयों में अधिक प्रभावी भूमिका प्रदान कर सकता है।

शिक्षा और वित्तीय पहुँच

शिक्षा महिला किसानों की स्थिति मजबूत करने के सबसे प्रभावी साधनों में से एक है। फसल प्रबंधन, वित्तीय योजना, डिजिटल प्लेटफॉर्म, सरकारी योजनाओं, बाजारों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों का ज्ञान निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बना सकता है।

वित्तीय समावेशन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सस्ता और सुलभ ऋण, बीमा, बचत की सुविधाएँ और सुरक्षित भुगतान प्रणालियाँ महिलाओं को कृषि जोखिमों का प्रबंधन करने तथा उत्पादक गतिविधियों में निवेश करने में सहायता कर सकती हैं। लेकिन सुविधा के साथ जागरूकता भी आवश्यक है। कोई योजना उस व्यक्ति को सशक्त नहीं कर सकती जिसे उसके अस्तित्व की जानकारी ही न हो या जो आसानी से उसका लाभ न उठा सके।

पहचान केवल सम्मान से अधिक है

महिला किसानों को पहचान देना केवल किसी विशेष दिन उनकी प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसका अर्थ है उनके वास्तविक योगदान को नीतियों, अभिलेखों, संस्थाओं और आर्थिक अवसरों के माध्यम से स्वीकार करना।

इसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल हो सकता है कि जहाँ उचित हो, कृषि अभिलेखों में महिलाओं के नाम दर्ज हों, उन्हें भूमि और उत्पादक संसाधनों तक बेहतर पहुँच मिले, महिला-केंद्रित कृषि प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, महिला उत्पादक समूहों को समर्थन दिया जाए और कृषि तकनीक उनके लिए भी सुलभ हो।

इसके साथ भाषा और सोच में बदलाव भी आवश्यक है।

खेत में काम करने वाली महिला को केवल ÷पति की मदद करने वाली÷ नहीं कहा जाना चाहिए। यदि वह कृषि कार्य करती है, तो उसे उस कार्य के लिए किसान के रूप में पहचान मिलनी चाहिए।

कृषि का भविष्य महिलाओं के बिना अधूरा है

कृषि का भविष्य केवल तकनीक, सिंचाई, उन्नत बीजों और बाजारों पर निर्भर नहीं करेगा। यह उन लोगों पर भी निर्भर करेगा जो खेती को वास्तव में संभव बनाते हैं। महिलाएँ कृषि में श्रम, ज्ञान, धैर्य और व्यावहारिक अनुभव लेकर आती हैं। उनकी भागीदारी ऐसे समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जब किसान जलवायु परिवर्तन, जल संकट, बदलते बाजारों और टिकाऊ उत्पादन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

नमामि भारतम् योजना के तहत डॉ. भीमराव अंबेडकर पॉलिटेकनिक महाविद्यालय में आयोजन

545 विद्यार्थियों ने किया राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन

ग्वालियर जीएनएस

डॉ. भीमराव अंबेडकर पॉलिटेकनिक महाविद्यालय में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की 'नमामि भारतम्' योजना के तहत राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सामूहिक सस्वर गायन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और स्टाफ सहित 545 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के प्रवर श्रेणी व्याख्याता योगेन्द्र वार्ष्णेय ने किया। स्वतंत्र साक्षी के रूप में एचएमएससीटी विभागाध्यक्ष डॉ. बिन्दु खरे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीजीवी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक ने की। महाविद्यालय के प्राचार्य अजय कुमार जैन और डॉ. सुनील पाठक ने प्रतिभागियों की उपस्थिति का सत्यापन भी किया।

सामूहिक गायन के बाद डॉ. सुनील पाठक ने वंदे मातरम के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बंकिम चंद्र चटर्जी ने मां भारती की वंदना के लिए 7 नवंबर 1875 को इस गीत की रचना की थी। वर्ष 1882 में इसे उनके उपन्यास 'आनंद मठ' में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम ने देशवासियों में उत्साह और राष्ट्रभावना का संचार किया। नेताजी सुभाषचंद्र बोस, भीकाजी कामा और भगिनी निवेदिता सहित अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने इसका उपयोग जनजागरण के लिए किया। वर्ष 1905 के बंग-भंग आंदोलन के दौरान भी यह गीत घर-घर और गली-मोहल्लों में गूंजता रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का अनुशासन उल्लेखनीय रहा। आयोजन के माध्यम से देशभर में एक करोड़ से अधिक प्रतिभागियों द्वारा एक साथ वंदे मातरम गायन कर विश्व रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

माउंट आबू में राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले ग्वालियर पूर्व विधायक

करुणा केवल भावना नहीं, कर्मों में दिखनी चाहिए : डॉ. सिकरवार

ग्वालियर जीएनएस

माउंट आबू स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय के मानसरोवर परिसर में संस्थान के समाज सेवा प्रभाग की ओर से राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। 'आध्यात्मिक जागृति से विश्व परिवर्तन' विषय पर आयोजित सम्मेलन में ग्वालियर पूर्व विधायक डॉ. सतीश सिकरवार मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में देशभर से समाज सेवा के क्षेत्र से जुड़े दो हजार से अधिक प्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भाग लिया।

'करुणामय कर्म' सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. सिकरवार ने कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक मूल्यों की आवश्यकता पहले से अधिक है। करुणा केवल मन में उठने वाली भावना नहीं, बल्कि दैनिक आचरण और समाज के प्रति किए जाने वाले कार्यों में दिखाई देनी चाहिए। सोच में संवेदनशीलता और कर्मों में परोपकार के बिना वास्तविक समाज कल्याण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भौतिक प्रगति के साथ आत्मिक जागृति ही विश्व शांति और सकारात्मक परिवर्तन का स्थायी मार्ग प्रशस्त कर सकती है। समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही ईश्वरीय कार्य का स्वरूप लेती है।

डॉ. सिकरवार ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा नशामुक्ति, नैतिक उत्थान, आध्यात्मिक जागृति और मानवीय सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। सम्मेलन के समापन पर अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्वच्छता के संदेश के साथ किया पौधरोपण

श्योपुर जीएनएस

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल निर्देशन में जन अभियान परिषद द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम कलारना स्थित स्कूल परिसर में स्वच्छता अभियान के साथ ही पौधारोपण किया गया।

जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम की उपस्थिति में विद्यालय परिसर में समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ऑगनवाडी सहायिका एवं सीएमसीएलडीपी की परामर्शदाता श्रीमती संध्या गौतम के साथ नवांकुर सखियों ने कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भागीदारी की गई तथा स्कूल परिसर की साफ-सफाई का कार्य भी किया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलाया जा रहा एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जन सेवा ही प्रभु सेवा के भाव के साथ जनभागीदारी को बढ़ाना और सरकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाना है।

इन दस्तावेजों की होगी आवश्यकता

जाति प्रमाण पत्र बनाने पंचायतों में लगेंगे शिविर

श्योपुर जीएनएस

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशानुसार पंचायतों में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए शिविर लगाये जा रहे है। इसके साथ ही शिविर में आधार अपडेशन, नवीन आधार, समग्र आईडी आदि के कार्य भी किये जायेंगे।

सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल ने बताया कि पंचायतों में शिविरों का आयोजन अगले सप्ताह से किया जायेगा। इसके लिए दो-दो पंचायतों को शामिल कर शिविर आयोजन की तिथियां निर्धारित की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिविर के दौरान जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए दस्तावेजों की आवश्यकता होगी, ग्रामीणजन यह दस्तावेज तैयार कर के रखे तथा पंचायत सचिव अथवा जीआरएस के माध्यम से समग्र आईडी की आधार से ई-केवायसी भी करा लें।

इन दस्तावेजो की होगी आवश्यकता

पिछडे वर्ग के जाति प्रमाण पत्र हेतु हितग्राही का फोटोग्राफ, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड की फोटोकॉपी, वोटर कार्ड की फोटोकॉपी 18 वर्ष के लिये, परिवार आईडी की फोटोकॉपी, अंकसूची की फोटोकॉपी, परिवार मे पहले से बने जाति प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी, जमीन की किताब/खसरा खतोनी नकल, आय प्रमाण पत्र, पारिवारिक सजरा, पंचनामा (सचिव/पार्षद), शहर काजी का प्रमाणीकरण (मुस्लिम वर्ग के लिये) आवश्यक होगा।

अनु. जाति एवं अनु. जन. जाति वर्ग के लिए हितग्राही का फोटोग्राफ, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड की फोटोकॉपी, वोटर कार्ड की फोटोकॉपी, परिवार आई डी की फोटोकॉपी, अंकसूची की फोटोकॉपी, परिवार मे पहले से बने जाति प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी, जमीन की किताब/खसरा खतोनी नकल, पारिवारिक सजरा, पंचनामा (सचिव/पार्षद) आवश्यक होगा।

किसी भी रक्त संबंधी का पूर्व में बना जाति प्रमाण पत्र न होने की स्थिति में ओबीसी हेतु वर्ष 1984 या उससे पूर्व मध्यप्रदेश में परिवार के निवास का प्रमाण पत्र तथा एससी और एसटी हेतु 1950 या उससे पूर्व मध्यप्रदेश में परिवार के निवास का प्रमाण आवश्यक होगा, जिसमें पुराने राजस्व अभिलेख, रजिस्ट्री, शैक्षणिक रिकार्ड, मतदाता सूची आदि शामिल है। इसके अतिरिक्त विकल्प के रूप में पटवारी का सत्यापन भी लगाया जा सकता है।

सीसीटीवी से कार की पहचान, घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर जब्त

ट्रैवल्स ऑफिस में पत्थरबाजी करने वाले तीन आरोपी पकड़े

ग्वालियर जीएनएस

झांसीरोड थाना पुलिस ने चेतकपुरी पेट्रोल पंप के पास विजय गजराज ट्रैवल्स बस सर्विस के कार्यालय में पत्थर फेंककर तोड़फोड़ करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार भी जब्त की है।

पुलिस के अनुसार फरियादिया ममता चौरसिया का चेतकपुरी पेट्रोल पंप के पास ट्रैवल्स कार्यालय है। 22 सितंबर की रात करीब 9.40 बजे कार्यालय कर्मचारी रोहित कुशवाह ने फोन कर बताया कि कुछ लोगों ने बाहर से पत्थर फेंककर कार्यालय में तोड़फोड़ की है। मौके पर पहुंचने पर कार्यालय का मुख्य कांच का दरवाजा टूटा मिला। अंदर रखा लैपटॉप और कर्मचारी का मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त था। कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करने पर सफेद रंग की एक कार से तीन युवकों के उतरकर कार्यालय पर पत्थर फेंकने की जानकारी सामने आई।

मामला दर्ज होने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व डॉ. शिवेश सिंह बघेल को आरोपियों की पतारसी के निर्देश दिए। सीएसपी विश्वविद्यालय रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक शक्ति सिंह यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर कार की पहचान की।

जांच में कार कार्तिक तिवारी निवासी गुढ़ा-गुढ़ी का नाका के नाम पर पंजीकृत मिली। पूछताछ में कार मालिक ने बताया कि घटना के समय कार साहिब खान उर्फ मोनू खान लेकर गया था। इसके आधार पर पुलिस ने तीन संदेहियों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम विक्की राव पुत्र लक्ष्मण राव उज्जैनकर (28), निवासी राजीव नगर, कंजाची बाबा की दरगाह, थाना कम्पू; शारीक उर्फ चिंटू पुत्र शकील खान (21), निवासी अवाडपुरा, इन्द्रानगर, कम्पू और साहिब खान उर्फ मोनू खान पुत्र फिरोज खान (25), निवासी खंजाची बाबा की दरगाह के पास, गुढ़ा-गुढ़ी का नाका, कम्पू बताए।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में तीनों ने घटना करना स्वीकार किया। साहिब खान के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक एमपी07-एआर-9555 जब्त की गई है। पुलिस आरोपियों से घटना के संबंध में आगे पूछताछ कर रही है।

कार्रवाई में इनकी भूमिका- थाना प्रभारी शक्ति सिंह यादव, उपनिरीक्षक आशीष शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक राजवीर सिंह यादव, प्रधान आरक्षक शैलेश सिंह, प्रताप सिंह, सुशील चौहान, धीरज प्रजापति तथा आरक्षक अंगद, नीरज और चालक आरक्षक नीरज यादव की भूमिका रही।

भाजपा के जिला प्रभारी ने नुक्कड़ सभा कर मौजूद लोगों को योजनाओं की जानकारी देकर किया जागरूक

जालौन, जीएनएस। भाजपा पार्टी जनपद जालौन के प्रभारी भुवन गुप्ता ने जनपद ग्रामों में प्रथम बार आगमन के भ्रमण दौरान नगर कालपी में नुक्कड़ सभा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी समेत दोनों के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण योजनाओं को बिंदुवार बताकर मौजूद दुकानदारों को ग्राहकों को जागरूक किया टरननगंज कालपी स्थित चौराहे में प्रभारी गुप्ता ने भाजपा शासित प्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगार हेतु 5 लाख रुपए की बिना ब्याज धन की सुविधा की गई है बैंक से ऋण प्राप्त कर अपना रोजगारकर परिवार का भरण पोषण करें उन्होंने केंद्र तथा प्रदेश सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण योजनाएं का जमकर बखान कर मौजूद लोगों को जानकारी देकर जागरूक किया नुक्कड़ सभा पहले ग्राम मुसमरिया में जनसभा को संबोधित करने के उपरांत जनपद प्रभारी गुप्ता मोहल्ला आलमपुर कालपी ओम प्रकाश गुप्ता के निज निवास आगमन पर स्थानीय भाजपा लोगों ने माल्यार्पण अभूतपूर्व स्वागत किया स्वागत करने वालों में किसान मोर्चा पूर्व प्रदेश सदस्य नरेंद्र द्विवेदी भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध द्विवेदी उपाध्यक्ष संजय सविता भारत सिंह जीतू तिवारी हरी बाबू गुप्ता छोटू विधायक उर्फ आकाश द्विवेदी विनोद खत्री शिवकुमार मिश्रा अशोक गोस्वामी मंटू बिश्नोई सभासद सुनील पटवा श्री कृष्णा गौतम राजन सिंह आदि लोगों ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया।

सलैया गोदाम में स्वास्थ्य शिविर, वनकर्मियों और ग्रामीणों की हुई जांच

करेरा। वनकर्मियों और क्षेत्रीय ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सामान्य वन मंडल शिवपुरी द्वारा सलैया गोदाम, सब रेंज अमोला, दक्षिण वन परिक्षेत्र करेरा में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन शिवपुरी जिले के वन मंडल अधिकारी श्री सुधांशुद्वयादव के निर्देशानुसार किया गया

रेंजरद्वलक्ष्मणद्वमीणा की मौजूदगी में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। क्क्क्क हॉस्पिटल, बीआईएमआर ग्वालियर की चिकित्सकीय टीम ने सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ हृदय रोग और शुगर की जांच की। चिकित्सकों द्वारा मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया गया तथा जरूरतमंद लोगों को दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गई

शिविर के दौरान चिकित्सकों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, खान-पान और जीवनशैली को लेकर भी आवश्यक सुझाव दिए। वन विभाग की इस पहल से वन क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के साथ आसपास के ग्रामीणों को उनके क्षेत्र में ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला वन विभाग की ओर से आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य वनकर्मियों और ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान करना तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना रहा।

जिला प्रभारी ने नगर उपाध्यक्ष के निज निवास में पहुंचकर बढ़ाया कद

जालौन, जीएनएस। नगर के चौराहे में नुक्कड़ सभा समाप्त के उपरांत जनपद प्रभारी नगर उपाध्यक्ष निज निवास में जैसे पहुंचे घर पर मौजूद उपाध्यक्ष एवं परिवार के चेहरे खिल उठे मौजूद परिवार ने फूल मालाओं से गले को भरकर अभूतपूर्व स्वागत किया वही प्रभारी स्वागत पाकर गदगद हुए। गुरुवार की रात में जनपद प्रभारी भुवन गुप्ता का अमला जैसे ही आलमपुर स्थित भाजपा उपाध्यक्ष के निज निवास में पहुंचा निवास में मौजूद नगर उपाध्यक्ष संजय सविता ने परिवार के साथ उनका स्वागत किया साथ में प्रभारी ने बैठकर परिवार के साथ स्वल्पाहार किया निज निवास में मौजूद प्रभारी ने परिवार को आश्वासन दिया कि यदि कोई भी समस्या आए तो मुझे तत्काल अवगत कराए आप लोगों की सेवा के खातिर सदैव मै समर्पित रहूंगा किसी भी समस्या को आडे नहीं आने दूंगा निज निवास में विधानसभा 220 कालपी सहसंयोजक छोटू विधायक उर्फ आकाश द्विवेदी एवं स्थानीय पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गौस-ए-आज़म की याद में जशन ग़ौसुल वरा अज़ीमुश्शान तरीके से मनाया गया

जालौन, जीएनएस। सैकड़ों बर्षो से ये प्रोग्राम होता आ रहा है जो इस साल भी हुआ , प्रोग्राम की अध्यक्षता करते हुए दारूल उलूम गौसिया मजीदिया के नाज़िमे आला अल्हाज हाफिज़ इरशाद अशरफ़ी ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी हुज़ूर गौस पाक की ग्यारहवीं के मौके पर दारूल उलूम गौसिया मजीदिया में बड़े ही शानो शौकत से जशन ग़ौसुल वरा मनाया गया , दिन में 3 बजे से ही तमाम आने जाने वालों का सिलसिला जारी रहा जो शाम 8 बजे तक काफी भीड़भाड़ रही फिर रात में 9 बजे से जलसा शुरू हुआ जिसमें मुफ्ती अशफाक बरकाती साहब ने लोगों को हुज़ूर ग़ौस पाक की ज़िन्दगी के बारे में बताते हुए कहा कि हमें भी उनके फरमान आदेश को मानकर अपनी ज़िन्दगी को बेहतर बनाने की कोशिश करते रहना चाहिए मौलाना मुर्तज़ा शरीफी बलरामपुर , ने भी अपनी तकरीर में हुज़ूर ग़ौस पाक का बयान किया कानपुर से आए हज़रत मौलाना सय्यद अब्दुल हमीद साहब ने बहुत ही प्यारे अंदाज़ में नात पाक सुनाई प्रोग्राम का संचालन (निज़ामत) जनाब शब्बीर अशरफ़ी कानपुरी ने बेहतरीन अन्दाज़ में की जलसे की शुरुआत कारी दिलशाद रज़ा ने कुरआन की तिलावत से किया और हाफिज़ फ़ैज़ व गुलाम वारिस ने भी नात पाक सुनाई दारूल उलूम के प्रिंसिपल मुफ़्ती तारिक बरकाती ने आए हुए तमाम मेहमानों का हार फूल पहनाकर उनका स्वागत किया मौके पर कारी ज़रीफ़ , मौलाना इमरान , हाफिज़ वसीम , हाफिज़ शाहबाज़ ,हाजी मुजीब अल्लामा , हाजी इल्यास रहमानी , हाजी जहीरुद्दीन मुन्ना , हारून भाई , वसीम खलीफा , आसिफ कुरैशी एडवोकेट , कलीम , अतीकुर्रहमान , कामिल , महबूब सिद्दीकी , सईद सिद्दीकी , लालू सिद्दीकी , कल्लन सिद्दीकी , शाकिर बाबा , बंदे अंसारी समेत तमाम सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रही।

ऑपरेशन टीम ने गर्भवती महिला के ऑपरेशन से जन्मा बच्चा

जालौन, जीएनएस। शुक्रवार को सीएचसी कालपी ऑपरेशन थेएट्र मौजूद ऑपरेशन टीम के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ विशाल सचान ऑपरेशन विशेषज्ञ एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर गरिमा सचान आदि टीम के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी स्थित गर्व कक्ष में आई हुई गर्भवती महिला का कुशल तरीके से टीम ने ऑपरेशन के तहत गर्भपात करा कर बच्चे को सकुशल तरीके से जन्म लिया मौजूद परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई इतना भी नहीं मौजूद परिजनों ने ऑपरेशन टीम प्रमुख सहित टीम की काबिले तारीफ कर भूर भूर प्रशंसा की अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी ने गर्भवती महिलाएं टीका कराने समय मौजूद महिलाओं को निर्देश देते हुए कहा कि आप लोगों बच्चा पैदा होने का समय जब पूरा हो जाए तत्काल सीएचसी कालपी में जाकर जांच कराये तथा गर्भपात कराये जरूरत पड़े तो ऑपरेशन की बेहतर सुविधा है ऑपरेशन निशुल्क किया जाएगा इसलिए गर्भवती महिलाएं प्राइवेट क्लिनिको में अस्पतालों में न जाए जिससे लगने वाले हजारों रुपए फिजूल खर्चे से बचा जा सकता है सभी गर्भवती महिलाएं सीएचसी कालपी में आकर सकुशल तरीके से अपने गर्भपात को ऑपरेशन से करना सुनिश्चित करें किसी बिचौलिया के बहकावे में न आए बिना शुल्क के पूरी टीम तक तत्परता से लगकर गर्भवती महिला का सकुशल तरीके से ऑपरेशन करने में टीम सदैव तत्पर रहती है कोई भी गर्भवती महिला का ऑपरेशन किया जाता है वह अपने परिवार की महिला को मानते हुए ऑपरेशन बेहतर तरीके से करना हमारी पहली प्राथमिकता है।

2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती शुष्क दिवस घोषित

गुना, जीएनएस। राज्य शासन द्वारा 2 अक्टूबर 26 महात्मा गांधी जयंती को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल द्वारा शासन के निर्देशों के पालन में एवं मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 2 अक्टूबर 26 को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर जिले की समस्त कंपोजिट मदिरा दुकानों को बंद रखने एवं जिले में मदिरा का क्रय, विक्रय एवं परिवहन पूर्णतः बंद रखे जाने के संबंध में आदेश जारी किया गया है।

पत्रकार स्वास्थ्य बीमा योजना में 30 सितंबर तक कर सकते हैं आवेदन

ग्वालियर । पत्रकार स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना के तहत पत्रकारों की मांग पर ऑनलाइन आवेदन की तिथि 25 सितंबर से बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गयी है। पत्रकार बंधु अब 30 सितम्बर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर योजना में शामिल हो सकते हैं। योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट mpinfo.org पर उपलब्ध है।

ऑपरेशन टीम ने गर्भवती महिला के ऑपरेशन से जन्मा बच्चा

जालौन, जीएनएस। शुक्रवार को सीएचसी कालपी ऑपरेशन थेएट्र मौजूद ऑपरेशन टीम के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ विशाल सचान ऑपरेशन विशेषज्ञ एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर गरिमा सचान आदि टीम के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी स्थित गर्व कक्ष में आई हुई गर्भवती महिला का कुशल तरीके से टीम ने ऑपरेशन के तहत गर्भपात करा कर बच्चे को सकुशल तरीके से जन्म लिया मौजूद परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई इतना भी नहीं मौजूद परिजनों ने ऑपरेशन टीम प्रमुख सहित टीम की काबिले तारीफ कर भूर भूर प्रशंसा की अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी ने गर्भवती महिलाएं टीका कराने समय मौजूद महिलाओं को निर्देश देते हुए कहा कि आप लोगों बच्चा पैदा होने का समय जब पूरा हो जाए तत्काल सीएचसी कालपी में जाकर जांच कराये तथा गर्भपात कराये जरूरत पड़े तो ऑपरेशन की बेहतर सुविधा है ऑपरेशन निशुल्क किया जाएगा इसलिए गर्भवती महिलाएं प्राइवेट क्लिनिको में अस्पतालों में न जाए जिससे लगने वाले हजारों रुपए फिजूल खर्चे से बचा जा सकता है सभी गर्भवती महिलाएं सीएचसी कालपी में आकर सकुशल तरीके से अपने गर्भपात को ऑपरेशन से करना सुनिश्चित करें किसी बिचौलिया के बहकावे में न आए बिना शुल्क के पूरी टीम तक तत्परता से लगकर गर्भवती महिला का सकुशल तरीके से ऑपरेशन करने में टीम सदैव तत्पर रहती है कोई भी गर्भवती महिला का ऑपरेशन किया जाता है ।

कमालपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष आनन्द रस्तोगी सहित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ,लक्ष्मीकान्त अग्रहरि ने दिलाया एकता और व्यापारिक हितों की रक्षा का संकल्प

(संतोष कुमार सिंह)

चन्दौली। जिले के कमालपुर बाजार में उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल (रजि) के बैनर तले व्यापार मण्डल कमालपुर का शपथ ग्रहण हुआ पूरे बाजार के व्यापारियों में शपथ ग्रहण को लेकर भारी उत्साह देखा गया 7 कमालपुर बाजार के सभी व्यापारियों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया पूर्व निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर जैसे ही व्यापार मण्डल के तेजतर्रार जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि अपने पदाधिकारीयो के साथ पहुँचते ही व्यापारियों का उत्साह काफी बढ़ गया कमालपुर बाजार में ढोल नगाड़े के साथ पैदल ही भ्रमण करते हुऐ गगनभेदी नारे लगाते हुये बोल रहे थे कि कौम पार्टी कोई भी हो पहले हम व्यापारी है,व्यापारी एकता जिन्दाबाद व्यापार मण्डल जिन्दाबाद की शोर से पूरा बाजार गूँज उठा था 7 कार्यक्रम में बैठे व्यापारियों को देखकर आये हुये सभी अतिथि काफी प्रसन्न दिख रहे थे 7

सर्वप्रथम पूरे बाजार के व्यापारियों की तरफ से कमालपुर के अध्यक्ष आनन्द रस्तोगी अपने पदाधिकारीयो के साथ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुशील सिंह विधायक और मुख्य व्यक्ता रमेश अग्रहरि वरिष्ठ प्रान्तीय महामन्त्री और जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि के साथ आये हुये सभी विशिष्ट अतिथियो पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर उनका स्वागत कर उनको मंचासीन किया 7

तत्पश्चात जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि ने सर्वप्रथम कमालपुर के नव निर्वाचित अध्यक्ष,महामन्त्री एवं कोषाध्यक्ष सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयो का शपथ ग्रहण कराया और कार्यक्रम में व्यापारियों को सम्बोधित करते हुऐ मुख्य अतिथि विधायक सुशील सिंह ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो को नई जिम्मेदारी मिलने पर उनको बधाई और शुभकामनाएं देते हुये कहा कि व्यापारियों के साथ मेरा पुराना रिश्ता है जब मैं पहली बार विधायक बना तो मेरे विधानसभा के सभी व्यापारियों ने ही मुझे अपना वोट देकर मुझे गले लगाया तबसे मैं निरन्तर अपने क्षेत्र में कोई भी समस्या व्यापारियों की आती है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर कराता हूँ और अपने विधानसभा के व्यापारियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उठाता हूँ अगर किसी व्यापारी को सुरक्षा के मद्देनजर शस्त्र लाइसेंस की जरुरत पड़ेगी तो उसे भी दिलाने का कार्य करूँगा और बाजारों में लाइट बहुत जल्द लगवाने जा रहा हूँ 7

मुख्य वक्ता वरिष्ठ प्रदेश महामन्त्री रमेश अग्रहरि ने कमालपुर बाजार के नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो सहित अन्य सभी पदाधिकारियों को भी नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रदेश संगठन की तरफ से अपनी बधाई और शुभकामनाएं देते हुये कहा कि जिले में व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि के द्वारा पूरे जिले में सभी बाजारों में संगठन को मजबूती प्रदान करने का जो कार्य कर रहे है अपने पदाधिकारीयो के साथ वह काबिले तारीफ है और चन्दौली जिले के व्यापार मण्डल के संघर्षो और उनके कार्यो की चर्चा प्रदेश के कई जनपदों में होती है जिसके लिये प्रदेश संगठन की तरफ जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त को बहुत- बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुये आगे कहा कि प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेश में व्यापारियों के अन्दर से भय का माहौल समाप्त कर सुरक्षा का जो वातावरण पूरे प्रदेश में स्थापित करने का जो कार्य किया है उसके लिये प्रदेश संगठन के साथ हम सभी व्यापारी उनके प्रति आभार प्रकट करते है और धन्यवाद देते है की आज पूरे प्रदेश से अपराधी फरार हो चुके और जो बचे है वो जेलों में बन्द है और पूरे प्रदेश में गुंडाराज का सफाया हो रहा है आज अन्य प्रदेशो के बड़े-बड़े व्यापारी और उद्योगपति कारोबार करने के लिये अपना पैसा इन्वेस्ट करने का कार्य उत्तर प्रदेश में कर रहे है और बड़े बड़े व्यापारी युवाओं को रोजगार देने का कार्य भी कर रहे है इसलिये व्यापारी समाज बहुत महान है देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था और विकास की रीढ़ है। जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि ने कहा कि जिले के सभी छोटे बड़े बाजारों के व्यापारियों के सम्मान,सुरक्षा और राजनैतिक अधिकार को दिलाने के लिये जिले के सभी व्यापारियों को व्यापार मण्डल के साथ जोड़ने का कार्य पूरे जिले में किया जा रहा है उसी कड़ी में आज आप सभी के बीच में आया हूँ आप सभी व्यापारी व्यापार मण्डल के साथ एक होकर व्यापारियों का उत्पीड़न करने वालो का जवाब देने का कार्य करे पूरे जिले का व्यापार मण्डल आपके साथ खड़ा है एकता में बहुत शक्ति होती है अब हम साथ चलेगे,साथ रहेंगे और साथ बढ़ेगे और व्यापार मण्डल को मजबूत करने का कार्य करेगे आगे जिलाध्यक्ष ने व्यापारियों में हुँकार भरते हुये कहा कि बाजारों में व्यापारियों के साथ किसी भी प्रकार का उत्पीड़न और शोषण करने वाले चाहे कोई भी अधिकारी हो या कोई भी अराजक तत्व हो डरना मना है सभी व्यापारी एकजुट होकर उनका डटकर सामना करे और ज्यादती और गुंडई करने वालो कि सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को दे ऐसे लोगो का इलाज सरकार अच्छे से कर रही है जिले में व्यापार मण्डल की मजबूती का ही असर है की व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन भी सतर्क और गम्भीर है 7 जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि व्यापारी बहुत महान होता है हमारा व्यापारी अपने प्रतिष्ठानो पर लोगो को रोजगार देने का कार्य करता है हम व्यापारी राष्ट्र के करदाता है हमे सम्मान,सुरक्षा और राजनैतिक अधिकार मिलना चाहिये जिसे हम लेकर रहेंगे । प्रदेश मंत्री चन्द्रेश्वर जायसवाल ने कहा की आज जिले के लगभग सभी छोटे बड़े बाजारों में व्यापार मण्डल का गठन मजबूती के साथ किया जा रहा है बाजारों में जिलाध्यक्ष के द्वारा जो जनसम्पर्क का कार्यक्रम किया जा रहा है वह काबिले तारीफ है उससे जिले में व्यापारियों का अपार जनसमर्थन व्यापार मण्डल को मिल रहा है और जिले में व्यापारी सुरक्षा बैठक के माध्यम से व्यापार मण्डल की टीम और प्रशासन के लोगो के साथ बैठक कर व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कराया जा रहा है आज जिले में व्यापार मण्डल की बढ़ती लोकप्रियता को देखकर व्यापार मण्डल के प्रति व्यापारियों के साथ अन्य लोगो का विश्वास काफी बढ़ गया 7 कार्यक्रम को अन्य पदाधिकारीयो ने भी सम्बोधित किया । वरिष्ठ जिला महामन्त्री राकेश मोदनवाल ने कहा कि व्यापारियों साथियों जिलाध्यक्ष ने आज पूरे जिले के व्यापारियों को एक मंच और एक माले में जोड़ने का जो कार्य कर रहे उसमे हम सभी जिले के व्यापारी काफी मजबूती के साथ आगे बढ़ रहे है आप सभी व्यापारी एक होकर मजबूती के साथ उनका साथ दीजिये आज जिले का व्यापार मण्डल व्यापारियों के समस्याओं को लेकर गंभीरता से समाधान कराने का कार्य कर रहा है व्यापारियों के सम्मान सुरक्षा और राजनैतिक अधिकार के लिऐ हम सभी मिलकर निरन्तर संघर्ष करते है और आगे भी करते रहेगे।

सेंट जॉन्स कॉलोनी में दस दिवसीय गणेश उत्सव का भव्य समापन,भजन संध्या व भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

वाराणसी, जीएनएस।

सेंट जॉन्स कॉलोनी में आयोजित दस दिवसीय गणेश उत्सव का विधिवत समापन भजन संध्या एवं भंडारे के साथ हुआ 7 पूरे दस दिनों तक कॉलोनी परिसर में भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना,आरती एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया 7 उत्सव के अंतिम दिन आयोजित भजन संध्या में कॉलोनीवासियों एवं श्रद्धालु भक्तों ने बढ़ -चढ़कर सहभागिता की 7 समापन अवसर पर आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया 7 कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित किया 7 उन्होंने कहा कि बनारस में आजकल अधिकांश घरों में गणेश उत्सव के अवसर पर भगवान गणेश की स्थापना की जाती है 7 पूरे शहर में गणेश उत्सव की धूम रहती है तथा श्रद्धालु पूजा -अर्चना,भजन संध्या और प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं 7 उन्होंने सेंट जॉन्स कॉलोनीवासियों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण मजबूत होता है उन्होंने आयोजन के लिए सभी कॉलोनीवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं 7

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि विधायक सौरभ श्रीवास्तव का रितेश कुमार,प्रदीप मिश्रा एवं कॉलोनीवासियों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया 7 कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व लायन गवर्नर दीपक अग्रवाल उपस्थित रहे 7 उन्होंने गणेश उत्सव आयोजन की सराहना करते हुए भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की 7 उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में गणेश उत्सव का आयोजन बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ किया जाता है अब यह परंपरा अपने बनारस में भी धीरे-धीरे व्यापक रूप ले रही है जो अत्यंत प्रसन्नता का विषय है ऐसे आयोजनों से धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में सहायता मिलती है।

गणेश उत्सव के सफल आयोजन में धर्मेंद्र गोयल,शशांक अग्रवाल,डॉ.प्रदीप पांडेय, डॉ.शोभनाथ सिंह,सुजीत केसरी,विभू रत्ना,डॉ.बी.पी.तिवारी,प्रदीप कुमार, राजेंद्र जायसवाल,रवि गुप्ता एवं मोहन रौनियार का विशेष योगदान रहा।

लंपी से पीड़ित गाय के बच्चों को पिला रहे दवा

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर में गायों में फैले लंपी वायरस की रोकथाम के लिए नगर निगम के मदाखलत विभाग द्वारा बछड़ें एवं बछ्यिाओं को दवाई पिलाई जा रही है।

दवा पिलाने के बाद इन्हें रतवाई स्थित गायों के आइसोलेशन सेंटर में भेजा जा रहा है। नगर निगम द्वारा लंपी वायरस से पीड़ित गायों को आइसोलेशन सेंटर में अलग रखे जाने से वर्तमान समय में अब वायरस का प्रकोप काफी कम हो चुका है। गायों में कुछ सप्ताह से लंपी वायरस फैल रहा था। लंपी वायरस से पीडित गायों एवं बछडों को रतवाई स्थित गौशाला में बनाए आइसोलेशन सेंटर में रखा जा रहा है। लंपी वायरस से पीडित गायों की सूचना देने के लिए नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देष पर 07512438358 एवं 7089003178 हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। इसके साथ ही बीमार गायों को आइसोलेशन सेंटर तक पहुंचने के लिए 7 वाहन भी चलाए जा रहे हैं।

'मेरे सपनों का भारत' में छात्राओं ने रखी समानता, सुरक्षा और रोजगार की सशक्त कल्पना

ग्वालियर, जीएनएस।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, ग्वालियर में शुक्रवार को ÷मेरे सपनों का भारत÷ विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की 30 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भारत के वर्तमान सामाजिक परिदृश्य और भविष्य की अपनी कल्पना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने समानता, शिक्षा, महिला सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाओं और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि ऐसा भारत होना चाहिए, जहां प्रत्येक नागरिक को समान अवसर मिले और महिलाएं एवं बालिकाएं बिना किसी भय के स्वतंत्र एवं सुरक्षित वातावरण में आगे बढ़ सकें। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली खुशी राठौर, सीएस द्वितीय वर्ष ने अपने संबोधन में रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रसिद्ध पंक्ति "Where the mind is without fear" का उल्लेख करते हुए इसे सरल हिंदी में समझाया कि ऐसा भारत होना चाहिए, जहां किसी व्यक्ति के मन में भय न हो और हर नागरिक का सिर सम्मान से ऊंचा रहे। छात्राओं ने अपने विचारों में कहा कि लड़कियों को घर से बाहर निकलते समय किसी प्रकार का डर महसूस नहीं होना चाहिए और समाज में उन्हें पूर्ण सुरक्षा एवं सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने दहेज प्रथा के पूर्ण उन्मूलन तथा महिलाओं और बालिकाओं को घरेलू हिंसा से मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने रोजगार के अवसरों को भी अपने सपनों के भारत का महत्वपूर्ण आधार बताया।

कहानी बदलाव की: दिव्यांगता को मात देकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम: रामहेत शाक्य को मिला पेंशन का सहारा

शिवपुरी, जीएनएस। जिले की ग्राम पंचायत गुगरीपुरा के निवासी श्री रामहेत शाक्य दिव्यांग होने के कारण सामान्य जीवन में नियमित रोजगार पाने और आजीविका अर्जित करने में भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। शारीरिक सीमाओं और सीमित आय के कारण उनके लिए अपने दैनिक रोजमर्रा के साधारण खर्च पूरे करना भी एक बड़ा संघर्ष बन गया था। छोटी-छोटी जरूरतों और दवाइयों के लिए भी परिवार व दूसरों पर निर्भर रहने के कारण वे मानसिक और आर्थिक रूप से चिंतित रहते थे।

इस विपरीत परिस्थिति और कठिन समय में शासन की ''इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना'' उनके जीवन में एक नई उम्मीद और संबल बनकर आई। जब श्री रामहेत शाक्य को इस कल्याणकारी योजना के संबंध में जानकारी मिली, तो उन्होंने पेंशन हेतु औपचारिकताएं पूरी कर आवेदन प्रस्तुत किया। योजना की स्वीकृति के बाद उन्हें प्रतिमाह नियमित रूप से आर्थिक सहायता राशि मिलने लगी, जिसने उनके जीवन को वित्तीय सुरक्षा और मजबूती प्रदान की।

दैनिक आवश्यकताओं और दवाइयों के लिए मिली आर्थिक स्वाधीनता

जीवन में स्वावलंबन व वित्तीय राहत: शासकीय पेंशन योजना से मिलने वाले नियमित आर्थिक सहयोग के माध्यम से श्री रामहेत शाक्य अब अपनी आवश्यक दवाइयां, व्यक्तिगत सामान और अन्य दैनिक जरूरतें बिना किसी रुकावट के पूरी कर पा रहे हैं। इस नियमित पेंशन ने उनकी अपने परिवार और दूसरों पर पूरी तरह से आर्थिक निर्भरता को काफी कम कर दिया है। अब वे अपने छोटे-मोटे खर्चों के लिए स्वयं सक्षम हो गए हैं, जिससे उनके दैनिक जीवन में बड़ी आर्थिक राहत आई है।

आत्मविश्वास और प्रेरणा की नई किरण: पेंशन योजना के लाभ ने श्री रामहेत शाक्य की आर्थिक समस्याओं को हल किया और उनके भीतर आत्मविश्वास और आत्मसम्मान का एक नया संचार भी किया है। श्री रामहेत शाक्य कहते हैं, ''इस सहायता ने मुझे मुश्किल वक्त में आगे बढ़ने का हौसला दिया है।'' उनके लिए यह योजना केवल एक आर्थिक मदद नहीं, बल्कि सम्मानजनक एवं बेहतर जीवन जीने की एक नई उम्मीद बन चुकी है। उनका यह बदलाव क्षेत्र के अन्य दिव्यांगजनों के लिए भी प्रेरणादायी साबित हो रहा है।

प्रशासनिक पहल और हितग्राही का धन्यवाद

जिला प्रशासन शिवपुरी द्वारा जिले के सभी पात्र दिव्यांगजनों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। श्री रामहेत शाक्य ने अपने जैसे दिव्यांगजनों को आर्थिक संबल प्रदान करने और स्वाभिमानी जीवन सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार एवं जिला प्रशासन का हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

'बापूजी' के जाने से सूना हुआ फतेहाबाद, नम आंखों से दी अंतिम श्रद्धांजलि

विधायक छोटेलाल वर्मा के निधन पर उमड़ा शोक; उपेंद्र सिंह ने पैतृक निवास पहुंचकर परिजनों को बंधाया ढांढस, कहा - क्षेत्र ने खोया अपना अनुभवी जनप्रतिनिधि

आगरा। फतेहाबाद की सियासत ही नहीं, सैकड़ों परिवारों की यादों में भी अब एक गहरा खालीपन है। भाजपा विधायक स्व. छोटेलाल वर्मा बाबू जी के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। पैतृक गांव नगला देवहंस (डौकी) में शोकाकुल माहौल के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं भारतीय जाटव समाज संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र सिंह अपने साथियों के साथ पहुंचे और दिवंगत विधायक जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। परिजनों से मिलते समय माहौल गमगीन हो गया।

वरिष्ठ भाजपा नेता उपेंद्र सिंह ने शोकाकुल पुत्रों और परिवारजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि छोटेलाल वर्मा बाबूजी का जाना केवल एक परिवार की क्षति नहीं, बल्कि फतेहाबाद क्षेत्र के लिए भी एक गहरा आघात है। क्षेत्र ने एक अनुभवी और सक्रिय जनप्रतिनिधि खो दिया है, जबकि पार्टी ने अपना एक महत्वपूर्ण साथी खोया है।

24 सितंबर 2026 को विधायक छोटेलाल वर्मा जी के निधन की खबर सामने आते ही फतेहाबाद, आगरा और आसपास के क्षेत्रों में शोक छा गया। पिछले दो दिनों से बुखार के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी। आगरा में उपचार के बाद परिजन उन्हें दिल्ली ले जा रहे थे, इसी दौरान हालत गंभीर होने पर उन्हें नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीछे रह गई यादें, सामने है अपूरणीय खालीपन

लंबे राजनीतिक सफर में छोटेलाल वर्मा जी ने फतेहाबाद की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में उन्होंने जीत दर्ज की थी। समर्थकों और स्थानीय लोगों के लिए उनका निधन एक ऐसे परिचित चेहरे के अचानक चले जाने जैसा है, जिसकी मौजूदगी क्षेत्र की राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों का हिस्सा रही। आज उनके पैतृक निवास पर जुटे लोगों की आंखों में गम और जुबां पर उनकी यादें हैं। किसी के लिए वे जनप्रतिनिधि थे, किसी के लिए राजनीतिक साथी और अनेक लोगों के लिए %बापूजी%। यही अपनापन उनके जाने के बाद क्षेत्र में महसूस हो रहे सन्नाटे को और गहरा कर रहा है। उपेंद्र सिंह ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार, समर्थकों और क्षेत्रवासियों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। ? शांति। अंतिम संस्कार में प्रमुख रूप से सांसद राजकुमार चाहर, ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पूरनलाल लोधी, जिला अध्यक्ष प्रशांत पोनिया सहित भाजपा के सभी नेता,कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

02 अक्टूबर को भारतीय योग संस्थान 60वां योग दिवस मनाएगा

ग्वालियर, जीएनएस। भारतीय योग संस्थान मध्य प्रदेश प्रांत के जिला ग्वालियर दक्षिण के वैष्णवी नगर क्षेत्र में एक विशाल योग रैली का आयोजन *जिला प्रधान पवन गुप्ता और *जिला मंत्री राजेश वर्मा * के नेतृत्व में किया गया । मीडिया प्रभारी गिरीश अग्रवाल ने बताया इस रैली में वैष्णवी नगर क्षेत्र के गुलमोहर सिटी, ग्रीन पार्क , सनवेली, साई सरोवर एवं गार्डन पैलेस योग साधना केंद्रों के सभी साधक उपस्थित हुए । इस रैली में क्षेत्रीय प्रधान प्रतिभा चौहान क्षेत्रीय मंत्री विजय धाकड़ उपस्थित रहे । गुलमोहर सिटी केंद्र की केंद्र प्रमुख ममता दुबे एवं ग्रीन पार्क के केंद्र प्रमुख आर सी अमलानी एवं सनवैली के केंद्र प्रमुख शसुदीप नागर, साई सरोवर केंद्र के केंद्र प्रमुख श अशोक गुप्ता के साथ साधको ने जोर-जोर से योग संबंधी श्लोगन बोलते हुए रैली निकाली ।

अंत में जिला प्रधान पवन गुप्ता सभी को सम्बोधित करते हुए आगामी 2 अक्टूबर को 60 वा योग उत्सव को भी पूरे जोश के साथ सनवैली के सेंट्रल पार्क में मनाने के लिए आमंत्रित किया ।

500 दीपकों से जगमगाया गोपाचल का प्रांगण

गोपाचल सिद्ध क्षेत्र पर 501 दीपकों से हुई पारसनाथ भगवान की भव्य महाआरती

ग्वालियर, जीएनएस। अनंत चतुर्दशी पर लश्कर, मुरार और ग्वालियर के जैन समाजजनों ने लिया धर्मलाभ लिया, वहीं भजन संध्या का भी हुआ आयोजन दशलक्षण महापर्व के अंतिम दिवस अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर सिद्ध क्षेत्र श्री गोपाचल पर्वत के प्रांगण में गोपाचल पर्वत न्यास द्वारा पहली बार 501 दीपकों से भगवान पारसनाथ की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया।

समाज के प्रवक्ता ललित जैन भारती ने बताया कि भक्तिमय वातावरण में आयोजित इस महाआरती में लश्कर, मुरार एवं ग्वालियर के तीनों क्षेत्रों के बड़ी संख्या में जैन समाजजन सम्मिलित हुए और भगवान की आराधना कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

दशलक्षण महापर्व के दस दिनों तक गोपाचल के प्रांगण में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव से भगवान की पूजा-अर्चना एवं आराधना की। अनंत चतुर्दशी के दिन महापर्व पर्युषण के समापन अवसर पर 501 दीपकों से सुसज्जित महाआरती ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान पारसनाथ के जयकारों के साथ आरती कर सुख, समृद्धि एवं विश्व शांति की मंगल कामना की। महाआरती के पश्चात समाजजनों ने भजन संध्या का आनंद लिया। भक्तिमय भजनों से गोपाचल का प्रांगण देर तक धर्म और आस्था के रंग में सराबोर रहा।

इस अवसर पर अनिल शाह, अनुपम चौधरी, शीतल जैन, संजय चौधरी, आशीष जैन बैंक, अमित भंडारी, रूपेश जैन, अजीत जैन गोपाचल, राजेंद्र एडवोकेट, धर्मेंद्र जैन, कपिल जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाजजन उपस्थित रहे।

पीओसीएसओ की जानकारी देकर छात्राओं को किया जागरूक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने शुरू किया विशेष अभियान, दो अक्तूबर तक स्कूलों में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

फिरोजाबाद, जीएनएस। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर 25 सितंबर से शुरू हुए अभियान के तहत विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को पीओसीएसओ अधिनियम और बाल संरक्षण से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है।

अभियान का शुभारंभ शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी विद्यालय में किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव ने छात्राओं को पीओसीएसओ अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों के साथ बाल अधिकार और विधिक सहायता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक व्यक्ति को कानून की नजर में बालक माना जाता है। बच्चों के साथ यौन अपराध होने की स्थिति में पीओसीएसओ अधिनियम के तहत कार्रवाई का प्रावधान है। छात्राओं को सुरक्षित व्यवहार, व्यक्तिगत सीमाओं और किसी विपरीत परिस्थिति में तत्काल सहायता लेने के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही जरूरत पड़ने पर उपलब्ध विधिक सहायता तंत्र का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य बच्चों को कानून और उनके अधिकारों की जानकारी देने के साथ बाल यौन शोषण की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के तहत गांधी जयंती तक, दो अक्तूबर तक, विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बारिश में गौशालाओं में अव्यवस्था मिली तो होगी कार्रवाई

डीएम ने लाइव स्ट्रीमिंग से 29 से अधिक गौशालाओं का देखा हाल, हरा चारा-पानी और जलभराव से बचाव के निर्देश

फिरोजाबाद। बारिश की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शनिवार को जिले की गौशालाओं की व्यवस्थाओं का लाइव स्ट्रीमिंग के जरिये जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को गौशालाओं में जलभराव न होने देने और गोवंश के लिए जरूरी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

डीएम ने उप जिलाधिकारियों, बीडीओ, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों, ग्राम पंचायत सचिवों और गौशालाओं के नोडल अधिकारियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बारिश के दौरान गौशालाओं में किसी तरह की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए।

ऑनलाइन समीक्षा में फिरोजाबाद, टूंडला, नारखी, हाथवंत, एका, जसराना, शिकोहाबाद और अरांव क्षेत्र की गौशालाओं की स्थिति देखी गई। इनमें कान्हा गौशाला फिरोजाबाद, नगर निगम गौशाला, उसायनी, मदावली, टूंडला, पहाड़ीपुर भौंडेला, पचोखरा, नारखी धोकल, बरतरा, संदलपुर, सांथी, हाथवंत, गडोरा, कटेना हर्षा, फरिहा, सिंहपुर, गदनपुर, टांडा, फतेहपुर पाट, एका, अकबरपुर कुतुबपुर, बड़ागांव, नगला पांडे, नावली, आरौंज, बिदरखा, सारख, कारीखेड़ा और असवाई की गौशालाएं शामिल रहीं।

बीमार गोवंश के लिए अलग इंतजाम

डीएम ने गौशालाओं में पर्याप्त हरा चारा, साफ पानी, तिरपाल, छाया और सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बीमार और अशक्त गोवंश को अलग रखने के साथ पशु चिकित्सकों से समय पर उपचार कराने को कहा।

उन्होंने कहा कि गौशालाओं में जलभराव की स्थिति न बने, इसके लिए पहले से जरूरी इंतजाम कर लिए जाएं। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गौशालाओं की निगरानी के लिए लाइव स्ट्रीमिंग से समीक्षा?

आंतरी में लगा मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर: 300 से अधिक ग्रामीणों ने शिविर में रखी अपनी बात

ग्वालियर, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को जिले के अलग-अलग विकासखंडों में शिविर आयोजित कर शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों के संबंध में ग्रामीण जनों को महत्वपूर्ण जानकारी देने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने क्रम जिले में जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को आंतरी में मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 300 से अधिक ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और विभागीय अधिकारियों द्वारा शिविर में ग्रामीणों से विस्तार से चर्चा की गई और अधिकतर प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष प्रकरणों के निराकरण के लिये समय-सीमा निर्धारित की गई।

आंतरी में आयोजित मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर में अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद, नगर पालिका अध्यक्ष आंतरी श्रीमती सुनीता शर्मा, एसडीएम श्री राजीव समाधिया, सहायक श्रम आयुक्त श्री आशीष तिवारी सहित विभागीय अधिकारी, पंच-सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। अपर कलेक्टर श्री सी बी प्रसाद ने शिविर में लगाए गए विभागीय काउण्टरों पर जाकर विभिन्न हितग्राहियों से विस्तार से चर्चा की और उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने चर्चा के दौरान ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हितग्राही

अपने जीवन को और बेहतर बना सकते हैं। अपने स्वयं के लिये और परिवार के लिये रोजगार स्थापित करने हेतु भी शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है।

शिविर में उद्योगों से जुड़े व्यापारियों से भी संवाद स्थापित किया गया। उद्योगों से जुड़े लोगों ने अपने-अपने व्यवसाय के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और शासन से अपेक्षाओं के संबंध में भी बताया। संवाद के दौरान अधिकारियों ने केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किस प्रकार से रोजगार को स्थापित करने, उसे बढ़ाने के लिये मदद मिलती है, इस संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। आंतरी में आयोजित शिविर के दौरान विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित संस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं को और चाक-चौबंद करने के संबंध में मैदानी अधिकारियों व कर्मचारियों को दिशा-निर्देश दिए।

उन्नत कृषक श्री रामसेवक ने जैविक खेती के बताए फायदे

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत आंतरी में आयोजित हुए शिविर के दौरान उन्नत कृषक श्री रामसेवक कुशवाह ने मंच से किसान भाईयों को जैविक खेती के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जैविक खेती से अनेक लाभ किसानों को प्राप्त होते हैं। श्री कुशवाह ने बताया कि उसने स्वयं अपनी 5 बीघा भूमि पर जैविक खेती को अपनाकर अपनी आय को बढ़ाया है। वहीं शुद्ध और अधिक उत्पादन प्राप्त करना भी प्रारंभ किया है। उन्होंने किसान भाईयों से आग्रह किया है कि वे अपनी-अपनी भूमि पर जैविक खेती को अपनाएं ताकि उनको बेहतर उत्पादन और आर्थिक संबल मिल सके।

शिविर से पहले अधिकारियों ने देखी विभिन्न संस्थायें

मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर आंतरी में आयोजित किया गया। विभागीय अधिकारियों द्वारा शिविर से पूर्व विभिन्न केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इसमें आंगनबाड़ी केन्द्र, स्कूल, हॉस्पिटल, सहकारिता के कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। एडीएम श्री सीबी प्रसाद ने स्कूलों का निरीक्षण किया वहीं महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती उपासना राय ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में पहुँचकर बच्चों से चर्चा की। इस अवसर पर कुपोषण निवारण के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन

ग्वालियर, जीएनएस। नाका चंद्रबदनी, झांसी रोड स्थित शासकीय डॉ. भीमराव अंबेडकर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, ग्वालियर में सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई चित्रकलाओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और भारत के प्रति उनकी कल्पनाओं को चित्रों के माध्यम से आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व 22 सितंबर को महाविद्यालय में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 56 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की 30 श्रेष्ठ चित्रकलाओं का चयन कर प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया।

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा भारत के विकास, समृद्धि, संस्कृति, पर्यावरण, शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य से जुड़ी कल्पनाओं को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया गया। प्रदर्शनी का महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक अवलोकन किया और विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। प्रदर्शनी का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य श्री अजय कुमार जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. सरला वर्मा, डॉ. बिंदु खरे, श्री अमित धवन, श्री दीपक भटनागर, श्री विष्णु सोनी, श्रीमती ओम कुमारी सोनी सहित महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्री रवि मिश्रा उपस्थित रहे। सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया।

सहायक परियोजना समन्वयक एवं विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 28 सितम्बर को जमा होंगे फॉर्म

शिवपुरी,जीएनएस। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत सहायक परियोजना समन्वयक (ए.पी.सी.) तथा जनपद शिक्षा केंद्रों में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बी.आर.सी.) के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि में संशोधन किया गया है। पूर्व में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 सितम्बर 2026 निर्धारित थी, लेकिन तीन दिवसीय अवकाश होने के कारण अब इच्छुक अभ्यर्थी 28 सितम्बर 2026 को कार्यालयीन समय में जिला शिक्षा केंद्र शिवपुरी में अपने आवेदन जमा कर सकते हैं।

जिला परियोजना समन्वयक श्री दफेदार सिंह सिकरवार ने बताया कि सहायक परियोजना समन्वयक (अकादमिक, कम्युनिटी मोबिलाइजेशन, ए.ई.आर., बालिका शिक्षा) एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक के पदों हेतु स्कूल शिक्षा विभाग अथवा जनजातीय कार्य विभाग के व्याख्याता, माध्यमिक शाला के प्रधानाध्यापक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्र होंगे। इन पदों पर सेवाएं लिए जाने से पूर्व अभ्यर्थियों के लिए पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। अभ्यर्थियों की आयु 01 जुलाई 2026 की स्थिति में 56 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र में अपना पूर्ण भरा हुआ आवेदन पत्र 28 सितम्बर 2026 को कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला शिक्षा केंद्र शिवपुरी में जमा करा सकते हैं। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 28 सितम्बर के पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

महिला आयोग की बेंच सोमवार को शिवपुरी में: पीड़ित महिलाओं की शिकायतों की होगी सीधी सुनवाई

शिवपुरी,जीएनएस। महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिवपुरी में राष्ट्रीय महिला आयोग एवं राज्य महिला आयोग द्वारा विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। 28 सितम्बर 2026 (सोमवार) को प्रातः 10 बजे से सर्किट हाउस शिवपुरी में आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर मुख्य रूप से उपस्थित रहकर पीड़ित महिलाओं की समस्याओं एवं शिकायतों की सीधी सुनवाई करेंगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री धीरेन्द्र सिंह जादौन ने बताया कि इस विशेष जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं की समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनना तथा संबंधित मामलों में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई हेतु प्रभावी हस्तक्षेप सुनिश्चित करना है। शिविर में महिला प्रताड़ना, दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म, यौन शोषण तथा कार्यस्थल पर होने वाले उत्पीड़न से संबंधित विभिन्न मामलों की सीधी सुनवाई की जाएगी।

प्रशासनिक तैयारियां एवं अधिकारियों की मौजूदगी

महिला आयोग की इस जनसुनवाई के सुचारू संचालन हेतु जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं। जनसुनवाई के दौरान जिला स्तर के संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस-प्रशासनिक अमला तथा कानूनी विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे, ताकि प्राप्त शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की जा सके। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री धीरेन्द्र सिंह जादौन ने जिले की समस्त पीड़ित एवं प्रभावित महिलाओं से अपील की है कि वे अपनी समस्या, आवेदन तथा उपलब्ध संबंधित दस्तावेजों के साथ सोमवार को निर्धारित समय पर सर्किट हाउस शिवपुरी पहुंचकर जनसुनवाई का लाभ उठाएं।

सफलता की कहानी: मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से मिला स्वरोजगार का संबल

मेहनत और आत्मविश्वास से बदली आर्थिक स्थिति, अब दूसरों तक पहुँचा रहे शुद्ध पेयजल

ग्वालियर, जीएनएस। जहाँ चाह है वहाँ राह भी है। घाटीगाँव विकासखंड के श्री एकांक कौरव भी अपने जीवन को और बेहतर बनाने की चाहत में निरंतर प्रयासरत थे। उनके प्रयासों को पंख देने का कार्य किया है मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना ने। श्री कौरव ने घाटीगांव क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं में पानी पहुँचाने का कार्य प्रारंभ किया। इस कार्य के लिये उसे एक माल वाहक वाहन की आवश्यकता थी, जिससे वह अधिक से अधिक संस्थानों तक पानी की कैन पहुँचा सके। आर्थिक परेशानी के कारण उसकी इस समस्या का निदान नहीं हो रहा था। लेकिन जब उसे विभागीय अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की जानकारी दी गई तो उसके चेहरे पर रौनक आ गई। घाटीगांव के निवासी श्री एकांक कौरव ने तत्काल ही सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बरई शाखा में संपर्क किया और मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत माल वाहक वाहन के लिये ऋण आवेदन प्रस्तुत किया। बैंक के अधिकारियों द्वारा उसे महत्वपूर्ण जानकारी देने के साथ-साथ 3 लाख 75 हजार रुपए का ऋण भी स्वीकृत किया। ऋण मिलते ही एकांक ने तीन पहिया माल वाहक वाहन खरीदा और आसपास के क्षेत्र में पानी की बोतल व कैन पहुँचाने का कार्य प्रारंभ किया। उसके सार्थक प्रयास और लगन से उसके व्यवसाय को प्रगति मिली और आज वह घाटीगांव क्षेत्र के अनेक संस्थानों में शुद्ध पेयजल की कैन पहुँचाने का कार्य कर रहा है।

श्री एकांक कौरव का कहना है कि ऋण पर वाहन मिलने से अब उसे अपने काम में न केवल सुविधा मिली है बल्कि उसकी आर्थिक स्थिति में भी प्रगति हुई है। बैंक ऋण की किस्त देने के पश्चात भी उसे और उसके परिवार के लिये पर्याप्त राशि प्राप्त होती है। श्री कौरव अब पूरे आत्मसम्मान के साथ सुबह से ही अपना वाहन लेकर लोगों के संस्थानों पर पानी की बोतल व कैन पहुँचाने का कार्य सुचारू रूप से कर रहे हैं। उनका कहना है कि युवा अगर चाहें तो शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त कर अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं और अपने परिवार में खुशहाली ला सकते हैं। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति युवाओं के लिये इस प्रकार की योजनायें संचालित करने पर श्री कौरव धन्यवाद भी ज्ञापित करते हैं।

तीन प्रतिष्ठानों की जांच, संचालकों को रजिस्टर, सीसीटीवी और कर्मचारियों का बायोडाटा रखने के निर्देश

स्पा सेंटरों पर पुलिस की पैनी नजर, महिला अधिकारियों ने की सघन चेकिंग

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर पुलिस ने स्पा सेंटर और मसाज पार्लरों में अनैतिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए रविवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. शिवेश सिंह बघेल एवं महिला सुरक्षा डीएसपी किरण अहिरवार के मार्गदर्शन में महिला पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की।

महिला थाना प्रभारी निरीक्षक स्वीटी राजावत के नेतृत्व में निरीक्षक सुरभि शर्मा सहित महिला पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की टीम ने शहर के कुछ स्पा सेंटर एवं मसाज पार्लरों में पहुंचकर जांच की। टीम ने मोनार्क द फैमिली सलून और द बीच सैलून एंड स्पा की चेकिंग की। दोनों प्रतिष्ठानों में जांच के दौरान कोई आपत्तिजनक स्थिति या सामग्री नहीं मिली। पुलिस टीम ने वहां मौजूद स्टाफ की जानकारी लेने के साथ सीसीटीवी कैमरों की स्थिति भी देखी।

इसके बाद पुलिस टीम ने द हीलिंग स्पा पर भी दबिश दी, लेकिन यह प्रतिष्ठान बंद मिला। पुलिस अधिकारियों ने चेकिंग के दौरान संचालकों और कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिष्ठानों में आने वाले लोगों का रजिस्टर नियमित रूप से संधारित किया जाए और उसमें आवश्यक जानकारी दर्ज की जाए।

पुलिस ने स्पा सेंटर एवं मसाज पार्लर संचालकों को सीसीटीवी कैमरे व्यवस्थित और चालू हालत में रखने की हिदायत दी। साथ ही प्रतिष्ठान में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी का बायोडाटा उचित तरीके से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित करने को कहा।

चेकिंग के दौरान अधिकारियों ने संचालकों को स्पष्ट चेतावनी दी कि प्रतिष्ठानों में किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधि संचालित नहीं होनी चाहिए। यदि किसी सेंटर या मसाज पार्लर में ऐसी गतिविधियां संचालित होती पाई गई तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्पा सेंटर एवं मसाज पार्लरों की निगरानी लगातार जारी रहेगी। संदिग्ध गतिविधियों वाले स्थानों पर आगे भी चेकिंग और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पितृ शांति के लिए कराया गायत्री यज्ञ

गायत्री शक्तिपीठ एवं जागृति केंद्र पर सामूहिक तर्पण व पिंडदान

ग्वालियर जीएनएस

गायत्री शक्तिपीठ तानसेन रोड एवं गायत्री जागृति केंद्र सुभाष नगर, हजीरा में निशुल्क सामूहिक तर्पण एवं पिंडदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पितरों की शांति और श्रद्धा अर्पित करने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से तर्पण एवं पिंडदान कराया गया। इसके बाद पूर्वजों की शांति के लिए गायत्री यज्ञ भी संपन्न कराया गया।

गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक कमलेश गुप्ता एवं गायत्री जागृति केंद्र के आचार्य भक्त दर्शन बरोलिया ने बताया कि कार्यक्रम में अपने पूर्वजों के साथ गुरु, समाज और ज्ञात-अज्ञात पितरों के निमित्त भी तर्पण एवं पिंडदान किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी शांति एवं आशीर्वाद की कामना की। उन्होंने बताया कि श्राद्ध पक्ष में पितरों के प्रति श्रद्धा अर्पित करने, पितृ ऋण से मुक्त होने तथा पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त करने के उद्देश्य से अमावस्या तक दोनों केंद्रों पर निशुल्क तर्पण एवं पिंडदान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। श्रद्धालु निर्धारित अवधि में केंद्र पर पहुंचकर तर्पण एवं पिंडदान कर सकते हैं।

कार्यक्रम आयोजकों के अनुसार तर्पण एवं पिंडदान के लिए आवश्यक सभी सामग्री केंद्र की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। श्रद्धालुओं से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की गई है। कार्यक्रम की जानकारी गायत्री शक्तिपीठ ग्वालियर के डॉ. प्रदीप गुप्ता ने दी।

103वें नेत्र परीक्षण एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर में 178 लोगों की जांच, 62 मरीज लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित

नेत्र मनुष्य शरीर का सर्वश्रेष्ठ अंग : राजेश शुक्ला

ग्वालियर जीएनएस

गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट ग्वालियर की ओर से आशा देवी जैन की स्मृति में 103वें नेत्र परीक्षण एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ एडवोकेट राजेश शुक्ला ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नेत्र मनुष्य के शरीर का सर्वश्रेष्ठ अंग है। जरूरतमंद लोगों को नेत्र संबंधी उपचार उपलब्ध कराना मानव सेवा का श्रेष्ठ कार्य है। ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की मदद करना ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है।

शिविर में कुल 178 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। जांच के बाद 62 लोगों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित किया गया। चयनित मरीजों का लेंस प्रत्यारोपण रतन ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट ग्वालियर की ओर से किया गया। ट्रस्ट की स्थापना डॉ. पी. भसीन ने की है।

शिविर के दौरान मरीजों की जांच के साथ उन्हें नेत्रों की देखभाल और उपचार संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी गई। आयोजकों ने बताया कि जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस तरह के शिविर लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष अशोक जैन, सचिव रामबाबू अग्रवाल, अशोक शर्मा, शिवदास शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया। शिविर में ट्रस्ट के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और चिकित्सकीय टीम मौजूद रही।

शराब की बोतलें, प्लास्टिक, पॉलीथिन और कांच के टुकड़े बिखरे मिले

किले पर चला सफाई अभियान, एक डंपर से ज्यादा कचरा निकला

ग्वालियर जीएनएस

विश्व पर्यटन दिवस पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रविवार को ग्वालियर किले पर नगर निगम और दाता बंदी छोड़ गुरुद्वारे के सेवादारों सहित सामाजिक संस्थाओं ने सफाई अभियान चलाया। सुबह छह बजे शुरू हुए अभियान में 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने करीब चार घंटे तक किले के विभिन्न हिस्सों में सफाई की। अभियान के दौरान एक डंपर से अधिक कचरा एकत्रित किया गया।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के निर्देशन में चलाए गए अभियान में किले पर जगह-जगह शराब की बोतलें, कांच के टुकड़े, प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन, चाय के कप और दोने पड़े मिले। कचरा पूरे किले में फैला होने के कारण स्वयंसेवकों को अलग-अलग क्षेत्रों में सफाई करनी पड़ी।

नगर निगम के आह्वान पर दाता बंदी छोड़ गुरुद्वारे के सेवादारों, सामाजिक संस्थाओं और आईईसी टीम के सदस्यों ने अभियान में भाग लिया। स्वयंसेवकों को दो-दो के समूह में बांटकर कैरी बैग दिए गए। इसके बाद उन्होंने किले में फैले कचरे को हाथ से एकत्रित किया। सबसे अधिक गंदगी मानसिंह महल के सामने की झाड़ियों से लेकर सास-बहू मंदिर तक मिली।

झाड़ियों में कचरा बीनने में करनी पड़ी मशक्कत : बारिश के कारण किले की झाड़ियां काफी बढ़ गई थीं। इनमें हवा के साथ पहुंचे प्लास्टिक के कप, दोने, बोतलें और पॉलीथिन फंसी हुई थी। झाड़ियों के बीच पहुंचकर कचरा निकालने में स्वयंसेवकों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

अभियान में स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर सावित्री श्रीवास्तव, प्रमोद धनेले, शबनम, अर्जुन, कार्यपालन यंत्री शिशिर श्रीवास्तव, आईईसी समन्वयक विजेता सिंह चौहान सहित डिवाइन, दीक्षा फाउंडेशन और म्यूज संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

राजस्थानी परिधानों में सजे करीब 250 प्रतिभागियों ने गरबा-डांडिया से बांधा समां

'बनठन री रात' में दिखा राजस्थानी रंग, गरबा की धुन पर झूमा ग्वालियर

ग्वालियर जीएनएस

श्रीजी इवेंट्स एंड प्लानर्स की ओर से आयोजित श्रीजी गरबा एवं डांडिया उत्सव सीजन-3 के तहत रविवार को जीवाजी क्लब में राजस्थानी थीम पर आधारित विशेष आयोजन 'बनठन री रात' आयोजित किया गया। शाम छह बजे शुरू हुए कार्यक्रम में करीब 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। राजस्थानी रंग और पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने गरबा एवं डांडिया की प्रस्तुतियों से माहौल को उत्सवमय बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने राजस्थानी वेशभूषा में पारंपरिक अंदाज में गरबा और डांडिया किया। रंग-बिरंगे परिधानों और गरबा की धुनों के बीच प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बना। आयोजन में राजस्थानी संस्कृति और गरबा की परंपरा का सुंदर मेल देखने को मिला। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मैसेज नॉर्थ एशिया अर्थ-2017, मॉडल एवं फैशन पर्सनालिटी वूमेन वर्षा चौहान रहीं। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और आयोजन की सराहना की।

आयोजक नितिन अग्रवाल ने बताया कि श्रीजी गरबा एवं डांडिया उत्सव के सीजन-3 के अभ्यास सत्रों के साथ अलग-अलग थीम पर आयोजन किए जा रहे हैं। ऐसे आयोजनों से प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ रहा है और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर भी मिल रहा है। उन्होंने ग्वालियरवासियों से आगामी कार्यक्रमों में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।